



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 12, 1979 (वैशाख 22, 1901)
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 12, 1979 (VAISAKHA 22, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकसन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो०-20/76-स्थापना—श्री डबल्यू० जी० जे० मुद्दालियार, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी, (राजस्थान 1955) उप महानिरीक्षक (छुट्टी पर थे) की उप-महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा दल में नियुक्ति होने के फलस्वरूप वह दिनांक 15-3-79 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से कार्य मुक्त समझा जाए।

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 5-2-79 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-1435/79-स्थापना—राष्ट्रपति ले० कर्नल के० गोस्वामी (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में 1—56GI/79

कमाण्डेंट के पद पर आगामी आदेश जारी होने तक पुनर्नियुक्ति पर नियुक्त करने हैं।

2. ले० कर्नल के० गोस्वामी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 3-4-79 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (वर्क) के पद का कार्यभार संभाला।

सं० ओ० दो०-1045/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर वी० दलीप मूर्ति को 24-3-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने पर, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो०-126/72-स्थापना—मेजर बी० के० सोबती का पुनर्नियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेंट सिगनल ग्रुप सेन्टर नीमच के पद का कार्यभार दिनांक 1-4-1979 के अपराह्न से त्याग दिया।

सं० ओ० दो०-1032/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सनाभाई नायक को

(3567)

28-2-1979 के पूर्वार्द्ध से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो-1436/79-स्थापना—राष्ट्रपति कर्नल वार्ड० सी० चोपड़ा (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेंट के पद पर आगामी आदेश जारी होने तक पुनर्नियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. कर्नल वार्ड० सी० चोपड़ा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सी० टी० सी० नं० 1 नीमच में दिनांक 30-3-79 के अपराह्न से प्रिंसीपल के पद का कार्यभार संभाला।

दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो०-1434/79-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री वार्ड० एन० सक्सेना, उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करने है।

2. श्री सक्सेना ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महानिरीक्षक हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 4 अप्रैल, 1979 के पूर्वार्द्ध से संभाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासनिक)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० ई०-32015(1)/5/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री अमलेन्द्र चट्टोपाध्याय, सहायक फायर अधिकारी, गौहाटी हवाई अड्डा, गौहाटी को, 6 अप्रैल, 1979 के पूर्वार्द्ध से, अगले आदेशों तक, के० ओ० सु० ब० में अस्थायी तौर पर सहायक कमांडेंट (फायर) नियुक्त करते हैं।

महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक मई 1979

सं० 23/3/79—सी० पी० आई०—मार्च, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1979 के स्तर से तीन अंक बढ़ कर 332 (तीन सौ वत्तीस) रहा है। मार्च, 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किये जाने पर 404 (चार सौ चार) आता है।

त्रिभुवन सिंह
उप निदेशक

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० क्र० बी०एन०पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/5/78 दिनांक 19-12-78 के अनुक्रम में श्री गेन्दापाल डामोर की उप-नियन्त्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 19-4-79 से आगामी दो माह तक के लिए बढ़ाई जाती है।

दिनांक 20 अप्रैल 1979

नस्ली क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/5/79—श्री एच० आर० शर्मा, स्थायी नियन्त्रण निरीक्षक को बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में अल्पकालिक अवकाश रिक्ति पर दिनांक 3-4-79 (पूर्वार्द्ध) से 10-6-79 (मध्याह्न) तक तदर्थ आधार पर, स्थानापन्न उप-नियन्त्रण अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

पी० एम० शिवराम
महा प्रबंधक

पूर्वोत्तर सीमा रेखा

मुख्य लेखापरीक्षक का कार्यालय

गौहाटी, दिनांक 2 मार्च 1979

सं० एम० ओ० ओ० सं० 316—श्री एम० एन० रायचौधरी, स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के मा० 840-40-1000-द० रो०-1200 को, भारत के महा लेखा परीक्षक के पद सं० 3970-जी० ई०-II/44-78 दिनांक 30-12-78 के अन्तर्गत लेखा परीक्षक अधिकारी के एक पद के स्थायी किये जाने के क्रम में, दिनांक 1-4-78 से उसी पद और वेतनमान में स्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

ए० कृष्णन,
मुख्य लेखा परीक्षक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० ए० प्रशामन/130/79—निदेशक लेखा परीक्षा [सेवाएं] अधिनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री ए० आई० के० ओदेराय को संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं मध्य कमान मेरठ, में दिनांक 29-3-79 (पूर्वार्द्ध) से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० प्रशामन/130/79/266—श्री एस० एन० महरोत्रा अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी, जो वरिष्ठ उप निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवान् मध्य कमान, मेरठ में नियुक्त थे, उनका दिनांक 23-2-79 को देहान्त हो गया।

के० बी० दास भौमिक
संयुक्त निदेशक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स एवं आर्डनेन्स उपस्कर

फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 1/79/ए०/एम०—राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आर्डनेन्स फैक्टरी स्वास्थ्य सेवा में स्थानापन्न वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारीगण के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से, आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं :—

क्र. सं०	नाम	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1	2	3	4
1.	डा० (श्रीमती) बी० सरकार	आर्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर	29-6-78 (दिनांक 31-8-78 को सेवा निवृत्त)
2.	डा० बी० एन० मेन	आर्डनेन्स फैक्टरी, वरुणगाव	29-6-78
3.	डा० डी० के० मान्यल	कार्डाइट फैक्टरी, अरुवानकाड	29-6-78
4.	डा० ए० आर० चट्टोपाध्याय	कार्डाइट फैक्टरी, अरुवानकाड	29-6-78
5.	डा० एम० के० भट्टाचार्य	आर्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	29-6-78
6.	डा० (कुमारी) जे० आर० बरुआ	आर्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	29-6-78
7.	डा० आर० के० पाल	आर्डनेन्स फैक्टरी, कटनी	29-6-78
8.	डा० पी० जी० सरदार	आर्डनेन्स फैक्टरी, तिरुचिरापल्ली	29-6-78

1	2	3	4
9.	डा० प्रियकेश मुखर्जी	आर्डनेन्स फैक्टरी, देहरादून।	29-6-78
10.	डा० के० बी० दास गुप्ता	आर्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर।	15-9-78
11.	डा० एस० के० मजुमदार	तोप गाड़ी फैक्टरी जबलपुर	1-7-78
12.	डा० एम० जी० चक्रवर्ती	आर्डनेन्स फैक्टरी, अम्बाक्षारी	24-7-78
13.	डा० (कुमारी) के० सुवया	वाहन फैक्टरी, जबलपुर	15-10-78

ले० कर्नल के० भट्टाचार्य
उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवान्
कृते महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं महकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1979

आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1204/77-प्रशामन (राज०)/2962—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थापना अधिकारी श्री अजबानी दूना ने 31 मार्च, 1979 के दोपहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 6/632/61-प्रशामन (राज०)/3002—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री सी० एम० आर्य को 1 फरवरी, 1979 से 3 मार्च की अवधि के लिए अथवा जब तक नियमित अधिकारी कार्यभार ग्रहण नहीं कर लेता इनमें जो भी पहले हो उस तक उक्त सेवा के वर्ग-I में नियुक्त करते हैं।

2 राष्ट्रपति, श्री सी० एम० आर्य को उपर्युक्त अवधि के लिए इस कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

सं० 6/611/60-प्रशा० (राज०)/3012—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री टी० जे० स्टीफन को 18 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न में अगता आदेश होने तक उक्त सेवा के वर्ग-I में स्थापना रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री टी० जे० स्टीफन को इस कार्यालय में उसी दिन से उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

राजिन्द्र सिंह
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3/18 अप्रैल 1979

सं० ए०-19018(386)/79-प्रशासन (राजपत्रित)---
विकास आयुक्त (लघु उद्योग), श्री टी० आर० मूर्ति, अधीक्षक को दिनांक 16 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(146)/74-प्रशासन (राजपत्रित) ---
तिलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद में उप निदेशक (योजना एवं विकास) के पद पर नियुक्ति होने पर भारतीय अर्थ सेवा की ग्रेड-III अधिकारी श्रीमती माधुरी मरीन ने दिनांक 22 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के सहायक निदेशक ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त
उप निदेशक (प्रशासन)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 18(1)/77-सी० एल० बी० ---वस्त्र (शक्ति-चालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1968 के खंड-II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 15(2) 67-सी० एल० बी० II/बी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 2 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रति-स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

- (1) “उद्योग निदेशक पटना
- (2) निदेशक (हाथकरघा और रेशम उत्पादन)

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० सी० एल० बी०/1/6-जी०/79—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय सरकार की पूर्ण स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० एल० बी०/1/1/6-जी०/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 2 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रति स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

2	3	4
		12(6),
(1) वस्त्र नियंत्रक, बिहार		12(6ए)
(2) उद्योग निदेशक, पटना	बिहार	12(7ए)
(3) निदेशक (हाथकरघा और रेशम उत्पादन)		12(7एए)
बिहार, पटना		12सी
		और
		12ई०
		गौरी शंकर भार्गव,
		संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1979

सं० ए०-17011/149/79-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री एस० सी० कोहली को दिनांक 23 मार्च, 1979 से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के मुख्यालय में अगामी आदेशों तक पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक, निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० प्र० 6/247/(479) 64-3—राष्ट्रपति ने इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) भारतीय निरीक्षण सेवा धातु क्रम शाखा के ग्रेड 3 के ग्रुप ए) श्री आर० एम० दूबे का त्यागपत्र दिनांक 1 मितम्बर, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पी० डी० सेठ

उप निदेशक प्रशासन

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० प्र० 1/1(224)—राष्ट्रपति, स्थायी निदेशक (भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-1) श्री जे० सी० शंङ्गरी को दिनांक 4 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अपर महा-निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० किशोर
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक पूति तथा निपटान

12-3-1979 के अपराह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (आसूचना) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19012/36/75-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के श्री आर० नमोशिवायम प्रकाशन अधिकारी को दिनांक 12-3-1979 के पूर्वाह्न से उमी विभाग में स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बालागोपाल
कार्यालय अध्यक्ष

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 अप्रैल, 1979

सं० 2028बी/ए०-19012(1-सी०एल०बी०आर०ए०)/19 बी०—श्री सी० एल० बी० आर० अंजेनेयुलु को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट में बास के पद से त्याग पत्र देने पर 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न से मुक्त किया गया है ताकि वे भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० ए०-19011(122)/75-स्था० ए०—राष्ट्रपति, विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर भारतीय खान ब्यूरो के डा० के० के० चटर्जी, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) को दिनांक 15-3-1979 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/61/73-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो डा० एस० पी० देशपाण्डे, उप अध्यक्ष प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 15-3-1979 के अपराह्न से उमी विभाग में स्थानापन्न रूप में अधीनस्थ अधिकारी (अध्यक्ष प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० ए०-19011/73/79-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के श्री एन० आर० गुप्ता उप-खनिज अर्थ शास्त्री (आसूचना) को दिनांक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महा सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० ई०-1 5479/913-हिन्दी:—श्री आर० के० चमोली, जो इस कार्यालय की संख्या स्था-1-10061/913-एच०-दिनांक 23-3-1973 के अधीन जारी की गई अधिमूचना संख्या स्था-1-4599/913-एच०-दिनांक 23-3-1973 के अनुसार भारतीय सर्वेक्षण विभाग में दिनांक 17 मार्च, 1973 पूर्वाह्न से हिन्दी अधिकारी (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये गये थे, को दिनांक 2 फरवरी, 1979 पूर्वाह्न से उपयुक्त पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5840/पी० एफ० (के० आर०)—के० मि० सेवा (सी० सी० एवं ए०) नियमावली 1965 के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई के परिणाम स्वरूप श्री किशन राम, अधिकारी सर्वेक्षक भारतीय सर्वेक्षण विभाग को 12 जनवरी, 1979 से दो साल के लिये सर्वेक्षक (मिले ग्रेड) ग्रुप सी०, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के पद पर पदावतन किया जाता है तथा उनका वेतन 550-25-750 द० रो०-30-900 रु० के टाइम स्केल वेतनमान के न्यूनतम दर पर प्रारम्भिक रूप से निर्धारित किया जाता है। साथ ही यह भी निर्देश दिये जाते हैं कि उपर्युक्त दो साल की अवधि समाप्त होने के पश्चात् वह स्वतः ही अधिकारी सर्वेक्षण श्रेणी-II (अब ग्रुप बी) भारतीय सर्वेक्षण विभाग के पद पर पुनः बहाल हो जायेंगे। उन्हें वही वरिष्ठता दी जायेगी जिस पर वह अब है तथा उनका वेतन इन दो साल की अवधि में होने वाली सभी वार्षिक वेतन वृद्धियों को जोड़ कर निर्धारित किया जायेगा।

सं० सी० 5481/707:—निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण

विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर अनन्तिम रूप से नियुक्त किया जाता है।

क्रमांक	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख
1.	श्री ए० पी० सेमवाल	सं० 1 आरेखण कार्या- ड्राफ्ट्समैन डि० 1, मिले लय (मा० प्र० 1 मिले ग्रेड निदेशालय) देहरादून	9-3-1979 (पूर्वाह्न)
2.	श्री प्रेम नाथ	सं० 9 आरेखण ड्राफ्ट्समैन डि० 1 कार्यालय (पश्चिमोत्तर सिले ग्रेड सर्किल) चण्डीगढ़	9-3-1979 (पूर्वाह्न)
3.	श्री डी० पी० बड़ोनी	दक्षिण पूर्वी सर्किल सर्वेक्षण सिले ग्रेड कार्यालय भुवनेश्वर	12-3-1979 (पूर्वाह्न)

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० सी०-5482/594:-अश्री रामा नन्द, तकनीकी सहायक, मिले ग्रेड को, 2 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5483/718-ए०:-श्री जे० के० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय को, श्री स्वरूप सिंह, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो 31-1-79 (अपराह्न) से सेवा से निवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर 12 मार्च 1979 (पूर्वाह्न) से पश्चिमोत्तर सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, चण्डीगढ़ में, स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० मि० सेवा ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 840/- रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5484/718-ए०:-श्री लक्ष्मी चन्दा, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० सी०-5450/718-ए० दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 के अधीन मानचित्र प्रकाशन निदेशालय में 27 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से सर्वश्री सी एम० सक्सेना तथा एस० डी० करारिया के स्थान पर स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर 45 दिन के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया था, उनकी तदर्थ नियुक्ति की अवधि 13-1-79 से 31-1-79 तक 19 दिन के लिये और बढ़ाई जाती है, क्योंकि श्री एस० डी० करारिया, स्थापना एवं लेखा अधिकारी ने अस्वस्थता के कारण अपनी छुट्टी और बढ़ा ली है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1979

सं० 31/3/78एम०II:-महानिदेशक आकाशवाणी, श्री पी० एन० मिश्र, फील्ड रिपोर्टर, आकाशवाणी दिल्ली को आकाशवाणी दिल्ली पर विस्तार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर 20 मार्च, 1979 से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेपात्री,
उप प्रशासन निदेशक
कृते महानिदेशक,

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

सं० 10/12/69-एस० तीन:-महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक संवर्ग के श्री बी० जी० के० मूर्ति को, आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में, स्थानापन्न रूप से, दिनांक 27-2-79 (पूर्वाह्न) से पदोन्नत करते हैं, और अगले आदेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में तैनात करते हैं।

सं० 10/16/79-एम तीन:-महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक संवर्ग के श्री वेद वर्त शर्मा को आकाशवाणी के सहायक इंजीनियर के संवर्ग में, स्थानापन्न रूप से, दिनांक 28-2-79 (पूर्वाह्न) से पदोन्नत करते हैं और अगले आदेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में तैनात करते हैं।

जनक राज लिखी,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1979

सं० 6(129)/63-एस-I:-महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वार श्री एम० के० शोम, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी गौहाटी को आकाशवाणी लिसलचर में 28 फरवरी, 1979 से अगले आदेशों तक कार्य-क्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० 6(3)/63स्टाफ-I:-वार्धक्य आयु के प्राप्त हो जाने पर श्री ए० पी० भौमिक, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी गौहाटी को दिनांक 31 मार्च, 1979 अपराह्न से सेवा निवृत्त किया गया है।

शोम बहादुर शर्मा,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० ए० 31014/6/77-ए० आई० आई० पी० एम० आर०/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० एल० चैतानी को 10 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा विज्ञान एवं पुनर्वास संस्थान बम्बई में फिजियोथेरापी विभाग के चीफ के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 35014/3/77-एन० टी० आई० (प्रशासन-I)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री वाई० विजय मिन्हा को 15 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० ए० 19019/34/76-एफ० आर० एम० एल०/प्र०-I—अपना इस्तीफा मंजूर हो जाने पर डा० पी० के० जायसवाल ने 27 फरवरी, 1979 के अपराह्न को खाद्य अनुसंधान तथा मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद से वरिष्ठ विश्लेषक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० ए०-12-22/75-प्रशासन-I—डा० एस० एम० गोठोस्कर ने असाधारण अवकाश लेकर संयुक्त राष्ट्र व्यापार तथा विकास सम्मेलन सचिवालय में नियुक्ति पर जाते हुए 30 दिसम्बर, 1978 की पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में औषधि नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. डा० एम० एस० गोठोस्कर ने संयुक्त राष्ट्र व्यापार तथा विकास सम्मेलन में अपनी नियुक्ति तथा असाधारण अवकाश से लौटने पर 2 अप्रैल, 1979 की पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में औषधि नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० ए० 19023/4/79-प्र०-III :—श्री एम० रडेया, सहायक विपणन अधिकारी को तारीख 29-3-79 (पूर्वाह्न) से अल्पकालीन आधार पर तीन महीने के लिये या जब तक

कोई नियमित प्रबन्ध किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री रडेया ने तारीख 26-3-79 के पूर्वाह्न में अनापाति में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० ए० 39013/1/79-प्र० III—श्री एम० एल० साहू द्वारा दिये गये त्यागपत्र की स्वीकृति के बाद इस निदेशालय में मद्रास में तारीख 31-3-79 (अपराह्न) में उन्होंने सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० 19024/8/78-प्र० III—सेवा निवर्तन की आयु पूर्ण करने पर श्री सी० एम० गर्मा, मुख्य रसायनज्ञ, क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, गुन्टर, तारीख 31-3-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

बी० एल० मनहार,
निदेशक प्रशासन,
कृते कृषि विपणन सलाहकार

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 4-3/79-प्रशासन—श्री एस० डी० जोशी जो कि पूर्वी चात्ता खण्ड, चन्द्रपुर, महाराष्ट्र के सहायक वन संरक्षक हैं, को वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, केन्द्रीय अंचल, नागपुर में प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर दिनांक 26 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से सहायक वन संरक्षक के पद पर आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

सी० एल० भाटिया,
मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400185, दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० आर०/1797/आर० एम० डी०/स्थापना/1675—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के श्री मंगी वेंकट कृष्ण राव, एक अस्थाई वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी० का सेवा से त्यागपत्र 28 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

बी० एम० खालु,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोग परमाणु विद्युत परियोजना

नरौरा, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा/1(110)/79/एम/1901:—
नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग पूल के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक एवं राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एस० सी० जैन, को, 31 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये, नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रु० के वेतनमान में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एम० कृष्णन
प्रशासनिक अधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय

सं० डी० पी० एम०/2/1(19)/77-प्रशासन/11383:—
इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 26 सितम्बर, 1978 के तारतम्य में, निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० एम० शर्मा, अस्थाई भंडारी को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी पद पर, रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 1200 के वेतन क्रम में, अग्रिम समय 22-2-79 अपराह्न तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 अप्रैल 1979

सं० डी० पी० एम०/2/1(16)/77-प्रशासन/11989:—
इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1 मई, 1978 के तारतम्य में निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री परारी किजाकोहन राधाकृष्णन अस्थाई भंडारी/बी० ई० सी० स्टोर्स यूनिट को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर, इसी निदेशालय में अग्रिम समय 13-2-1979 तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० डी० पी० एम०/2/1(1)/77/11553:—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10 जुलाई, 1978 के तारतम्य में निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री आर० सी० नैय्यर, अस्थाई भंडारी को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के अधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में अग्रिम समय 26 फरवरी, 1979 अपराह्न तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

भा० ग० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० 1/7(192)73-सि० इ० प्र० (एच०)—यतः
श्री के० त्यागराजन जो कि अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एम० बी० के पद पर नियुक्त हैं, दिनांक 27 जनवरी, 1978 से अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित रहे हैं।

और यतः उपर्युक्त व्यक्ति का वर्तमान पता-ठिकाना ज्ञात नहीं है।

और यतः निम्नहस्ताक्षर कर्ता, अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में इस बात से सन्तुष्ट है कि अन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रक और अपील) नियम, 1976 के निर्देशानुसार जांच करना व्यावहारिक रूप में उचित नहीं है और निम्नहस्ताक्षरकर्ता अन्तिम रूप में इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि उसकी सेवा समाप्त कर दी जानी चाहिये तथा तदनुसार 11 सितम्बर, 1978 को "दी हिन्दू" मद्रास में, प्रकाशित अधिसूचना सं० 10/7(192)/73-सी० इ० डी० (एच०) दिनांक 23-8-78 के द्वारा अधिसूचित किया गया और उपरोक्त अधिसूचना उक्त श्री त्यागराजन के अन्तिम ज्ञात पते पर पंजीकृत रसीदी डाक द्वारा उपर्युक्त व्यक्ति को भी भेजी गई थी और 30 अगस्त, 1978 को उक्त अधिसूचना श्री के० त्यागराजन के लिए और की ओर से श्रीमती एस० सरोजा ने प्राप्त की थी तथा उक्त अधिसूचना श्री के० त्यागराजन को निर्देश दिया गया था कि वह अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चौदह दिनों के अन्दर निम्नहस्ताक्षर कर्ता के पास रिपोर्ट करें और यह बताये कि सेवा से पदव्युत्ति की शास्ति क्यों न अधिरोपित की जाय।

और अब श्री त्यागराजन प्रस्तावित और उसे संसूचित कार्यवाही के विरुद्ध अप्रत्यावेदन करने और रिपोर्ट करने के लिये दिये गये अवसर का उपयोग करने में असमर्थ रहा है।

अतः अब निम्न हस्ताक्षरकर्ता अनुशासनिक प्राधिकारी और नियुक्ति प्राधिकारी के रूप में अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एम० बी० के पद से उक्त श्री के० त्यागराजन को दिनांक 27 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से पदव्युत्त करने का आदेश देता है।

आर० डी० जॉन,
मुख्य अभियन्ता

बंगलौर-560025, दिनांक 7 फरवरी 1979

सं० 10/5(20)/78-सि० इ० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के निम्नलिखित

अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिये गये पदों पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 30 सितम्बर, 1978 के अपराह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करने है —

क्रम संख्या	नाम	पद और ग्रेड, से पदोन्नति की गई है	पद और ग्रेड, जिस पर पदोन्नति की गई है।
1.	श्री वाई० के० विश्वा-नाथन	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'
2.	श्री बी० जी० गौरी शंकर	फोरमन (विद्युत)	इंजीनियर 'एस० बी०'

पी० आई० यू० नम्बियार
प्रशासन अधिकारी-II

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 020/3(061)/ए/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में उनके नामों के सामने दिये गये पदों पर और प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	तारीख
1.	श्री आर० अन्वूमणि	इंजीनियर एस० बी०	10-1-1979
2.	श्री यतीन्द्र मेहता	इंजीनियर एस० बी०	15-1-1979
3.	श्री अश्वनी कुमार रमाणी	इंजीनियर एस० बी०	16-1-1979

दिनांक 23 फरवरी, 1979

सं० 020/3(061)/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में इंजीनियर, 'एस० बी०' श्री दिनेश कुमार गुप्ता का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 16 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

के० एस० कुण्णन,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1979

सं० ए० 32014/2/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी आर० छाबड़ा, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन पालम को दिनांक 19-2-79 (पूर्वाह्न) से 2—56GI/79

15-3-79 तक, श्री जी० एस० वेदी, सहायक संचार अधिकारी, जिन्हें हिन्दी प्रशिक्षण के लिये भेजा गया था, के स्थान पर तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्न-लिखित तीन सहायक संचार अधिकारियों ने उनके नाम के सामने दी गई तारीख को और स्टेशन पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया था—

क्रम सं०	नाम	तनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1.	श्री ए० के० हर्दर	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	अपराह्न 31-12-78
2.	श्री आर० के० मिश्र	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	अपराह्न 31-12-78
3.	श्री जे० के० रौठ	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	अपराह्न 31-1-79

दिनांक 15 अप्रैल, 1979

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 16-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/4/77-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री एन० मण्डये, सहायक संचार अधिकारी, क्षेत्रीय निदेशक मद्रास का कार्यालय, को 26-3-79 के बाद 26-9-79 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले हो संचार अधिकारी के। ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की मंजूरी दे दी है,

एस० डी० शर्मा
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० ए०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० एस० पिल्ले, विमानक्षेत्र अधिकारी, सिविल विमानक्षेत्र त्रिवेन्द्रम, दिनांक 31 मार्च 1979 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सुरजीत लाल खण्डपुर
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

सं० 12/1/79-स्था—निम्नलिखित स्थानापन्न प्रशासन अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दिये गये पद पर

और तारीख से स्थाई रूप से सहायक प्रणामन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

क्रमांक	नाम	स्थायी नियुक्ति की तारीख
1.	श्री टि० बी० एम० वेलू	1-7-76
2.	श्री एम० दाम गुप्ता	1-9-78
3.	श्री एम० एम० मनि	1-2-79

एस० श्रीनिवासाचार
महानिवेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1979

सं० 78/डब्ल्यू० 6 टी० के/2—सभी सम्बद्ध परिसम्पत्तियों सहित रेल पथ के निम्नलिखित भाग के अनुरक्षण कार्य को मध्य रेलवे से उत्तर रेलवे में स्थानान्तरित करने के कार्योंत्तर अनुमोदन की एतद्द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की स्वीकृति प्रदान की जाती है:—

दिल्ली मथुरा खण्ड पर तुगनकाबाद और दिल्ली के बीच किलोमीटर 1515.00 से 1518.61 तक का रेल पथ अब अन्तररेलवे किलोमीटर 1515.00 पर होगी।

पी० एन० मोहिले,
सचिव रेलवे बोर्ड एंड
पदेन संयुक्त सचिव

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स गुलाम हुसैन अली भोई एण्ड मन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० 1857/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर मैसर्स गुलाम हुसैन अली भोई एण्ड मन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैसर्स देवीदास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० 3700/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर मैसर्स देवीदास प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एल० एम० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956 और सत्कार फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/2673/528—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर सत्कार फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बी० एल० फाइनेन्सीयर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3092/516:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर बी० एल० फाइनेन्सीयर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गुलनार फाइनेन्सीयर्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3347/518:—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर गुलनार फाइनेन्सीयर्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न

किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हरजस ट्रेडर्स एण्ड चिट फण्ड फाईनेन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० जी/स्टेट/560/3122/723—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हरजस ट्रेडर्स एण्ड चिट फण्ड फाईनेन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिमाचल फिल्मस लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० जी/स्टेट/560/3014/725—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिमाचल फिल्मस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोरोनेशन वूलन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3212/727—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोरोनेशन वूलन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम अब रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओ० पी० जैन,
कम्पनी रजिस्ट्रार,

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं इन्दौर आलोक फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० 1097/लिक्विन/सी० पी०/3414—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 उप-धारा (2) के अन्तर्गत

सूचित किया जाता है कि आलोक फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेड इन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, खण्ड पीठ इन्दौर के आदेश दिनांक 16-2-79 के द्वारा परिसमापन करने का आदेश दिया गया है तथा मरकरी समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश ग्वालियर,

कार्यालय आयकर आयुक्त बम्बई नगर-2,

बम्बई, दिनांक 30 मार्च 1979

सं० 928—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां अधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं श्री वी० डी० सोन्दे, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों को आयकर अधिकारी श्रेणी-2 के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये उनके नामों सामने की गई तारीखों के अगले आदेशों तक के लिये नियुक्त किया है।

सर्वश्री	पद	तारीख
1. ए० आर० जाधव निरीक्षक		16-2-79 (एफ० एन०)
2. वी० जैड राऊत	"	15-2-79 (ए० एन०)
3. एम० जे० बोर्डे	"	15-2-79 (एफ० एन०)
4. वाय ए० सोनावणे	"	16-2-79 (")
5. सी० एम० जाम्बोरे	"	16-2-79 (")
6. एस० आर० ताम्बे	"	16-2-79 (ए० एन०)

2. भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) नई दिल्ली के पत्र एफ० नं० 22/3/64-प्रणा-5 दिनांक 25-4-75 के अनुसार वे दो वर्षों की अवधि के लिये परीक्षा के अधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो यह परीक्षा की अवधि ऊपर लिखी अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनकी पुष्टी और या उन्हें रखा गया परीक्षा की अवधि के सफल समापन पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिल्कुल अस्थायी और अन्तिम है और बिना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

वी० डी० सोन्दे,
आयकर आयुक्त,
बम्बई-1

कार्यालय आयकर आयुक्त, पुणे

आयकर विभाग

पुणे, दिनांक 20 मार्च 1979

सं० 1—निम्नलिखित अधिकारियों को एतद्वारा आयकर अधिकारी वर्ग 'ख' (श्रेणी II) के रूप में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थाई किया जाता है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	स्थाई किये जाने की तारीख
1	2	3
सर्व श्री		
1.	आर.डी० जावीर . . .	6-10-1975
2.	बी० आर० लोकुर . . .	6-10-1975
3.	एस० वाई० पाटिल . . .	6-10-1975
4.	बी० एस० शिकारपुर . . .	6-10-1975
5.	एन० एस० महाजन . . .	6-10-1975

6.	एन० डी० फडनीस . . .	1-4-1977
7.	एन० जी० धिटे . . .	22-7-1977
8.	बी० एस० चिरमाडे . . .	1-9-1978
9.	पी० एन० केदार . . .	1-10-1978

2. स्थाई किये जाने की तारीखें, यदि आवश्यक पाया गया, तो बदली जा सकती हैं।

आयकर स्थापना

सं० 2—श्री हंसराज आर्य को एतद्वारा दिनांक 17-3-1979 से आयकर अधिकारी वर्ग 'ख' (श्रेणी II) के रूप में स्थाई किया जाता है।

2. स्थाई किये जाने की तारीख यदि आवश्यक पाया गया तो बाव में बदली जा सकती है।

पी० एस० भास्करन,
आयकर आयुक्त, पुणे-1, पुणे

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/अगस्त-81/78-79—यतः मुझे, अंजनी ओजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 5 है, तथा जो फरेन्डम कालोनी (वैस्ट), मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 28-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारताः—

1. नाथुराम फरेन्डम कालोनी को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, श्री ए० पी० जैन, सरकारी लीक्यूइटर के द्वारा, रजिस्ट्रार आफ को-आपरेटिव सोसाइटी, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

2 एम० एन० नायर तथा श्रीमती विद्यावती नायर, निवासी 174, सेक्टर-11-ए० चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति जिसका न० 5 है और क्षेत्रफल 3865.6 वर्ग फुट है, नाथुराम फरेन्डम कालोनी को-आपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, मथुरा रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मैदान रोड
पश्चिम : रेलवे लाइन
उत्तर : प्लॉट नं० 6
दक्षिण : प्लॉट नं० 4

अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-4-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए०/1/एम० आर०-3/अगस्त-22/78-79—यतः मुझे, अंजनी प्रोजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-6/14 है तथा जो बसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वेद प्रभा बध्वा, विधवा पत्नी श्री जी० एल० बध्वा, निवासी मकान नं० 156/14, जाकुमपुरा, गुडगांव (हरियाणा)

(अन्तरक)

2. श्री अश्वनी कुमार बुधोराजा, सुपुत्र श्री सीता राम बुधोराजा, निवासी डी-6/14, बसन्त विहार, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० डी-6/14 है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, इसके साथ में एक मंजिला डाँचा और पहली मंजिल पर मस्टो बनी हुई है, बसन्त विहार, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : स्ट्रीट नं० डी-6
पश्चिम : 15' चौड़ी सड़क रोड
उत्तर : 15' चौड़ी सड़क रोड
दक्षिण : प्लॉट नं० 15

अंजनी प्रोजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-1

तारीख : 9-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. मै० डी० एल० एफ० ग्रनाईटिड लि०, 21-22, नारीन्द्रा पलेम, नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

2. श्री माहेश गुप्ता सुपुत्र लाला माट राम, निवामी ई-108, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-1

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/
अगस्त-II (61)/78-79—यतः मुझे, अंजनी ओजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 204 है, तथा जो सावित्री सिनेमा कम्पलेक्स,
ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 19-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रेष्ठनाक्षरी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सावित्री सिनेमा कम्पलेक्स की दूसरी मंजिल फ्लैट जिसका
न० 204 है और क्षेत्रफल 488.6 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-11,
नई दिल्ली में है।

अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० आर०-III/अगस्त-88/617/78-79—यतः मुझे, अंजनी ओजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 301 है तथा जो सावित्री सिनेमा कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० डी० एन० एफ० यूनाईटेड लि०, 21-22, नारीन्द्र प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बसन्ती, पत्नी मेजर जनरल दरयाओ सिंह, तथा श्री राजीन्द्र देमवाल, सुपुत्र मेजर जनरल दरयाओ सिंह, निवासी मकान न० 118, सेक्टर-8, चण्डीगढ़-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सावित्री सिनेमा कम्पलैक्स की तीसरी मंजिल जिसका आफिस प्लेट सं० 301 है और क्षेत्रफल 549.1 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है ।

अंजनी ओजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 874 ए०/मेरठ/78-79—यतः मुझे, भ० च०

चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — — — है तथा जो — — में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 69-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्र

3—56GI/79

1. श्रीमती लक्ष्मी देवी बेवा श्याम किशोर मकान न०
1030 ब्रह्मपुरी शहर मेरठ

(अन्तरक)

2. श्री राम बक्ष पिसर फेरूमल व रामेश कुमार पिसर
रामबक्ष, निवासी सराय लालदास शहर मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति मकान न० 1030 ब्रह्मपुरी शहर मेरठ
40000 रु० में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी
मूल्य 78,500 आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 739-ए/गाजियाबाद/78-79—यतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो
..... में स्थित है (और उससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 1-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. गवर्नर उ० प्र० सरकार द्वारा ज्वाइन्ट सेक्रेटरी गवर्नमेन्ट
इंस्टीट्यूट डिपार्टमेन्ट उत्तर प्रदेश लखनऊ
(अन्तरक)

2. यू० पी० हैण्डलूम कारपो० रजि० आफिस बी० 25
मर्वोदय नगर कानपुर द्वारा एम० एस० श्रीवास्तव
ज्वाइन्ट सेक्रेटरी एच ए० पी० सिंह मैनेजिंग डाइरेक्टर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 1589.30 वर्ग मीटर अर्थात् 1900 वर्ग गज
स्थित कस्बा पिलखुवा जिला गाजियाबाद मारफ पिलखुवा
डार्ड हाउस बमए जुमला मशीनरी एंव प्लॉट 84201 86 पै०
में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य
218300 6० आका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंक, कानपुर

कानपुर दिनांक 11 अप्रैल, 1979

निर्देश नं० 748-ए:—यतः मझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०..... है तथा जो.....में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्तर्गृह बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द सिंह सुपुत्र श्री, अमीन सिंह नि०
अहमदनगर तौली बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द सुपुत्र श्री उमराव सिंह ओम प्रकाश
रमेश सुपुत्र श्री कहेरा व ध्यादु पुत्र पूसाराम व
अन्य नि. अहमदनगर तौली बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रेहस्तासारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 5 बिस्वा स्थित देवकरनपुर में 74,000/- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 90,000/- रुपये आका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंक, कानपुर

तारीख 11-4-79
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 11 अप्रैल, 1979

निर्देश नं० 651/ए/महाराजपुर/78-79—यतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'व्यवस्था अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफर नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. श्रीमती रामकली विधवा धर्म सिंह निवासी नूरनगर तहसील व जिला मुः नगर व श्रीमती रिसाली स्त्री दलमीर व श्रीमती सुल्तानी स्त्री लाला निवासी टिमोला परगना मार्केट तह० रुड़की जिला सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्री बहल गिरधर, जगत सिंह, दलम सिंह जिला पुत्रगण बलबन्त सिंह निवासी नि० नूरनगर परगना पुरधर जिला मुजफरनगर (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में तथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित नूर नगर में 36,000/- रुपये की बेची गई ज़िमका उचित बाजारी मूल्य 70,600/- रुपया आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 11-4-79
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1979

निर्देश न० 151-ए०—यतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं०..... है तथा जो.....में में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-8-78

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बचत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) से अधिक निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मडयणत त्यागी पुत्र श्री ज्योति प्रसाद त्यागी निवासी मकान नं० 384 उत्तम वाटिका पश्चिम कचहरी मार्ग मेरठ शहर मुक्तयार ग्राम और से श्रीमती राजेश त्यागी

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेश त्यागी पत्नी श्री मर्येन्द्र त्यागी निवासी ग्राम फलीदा जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 363/3 कचहरी मार्ग मेरठ शहर में 40,000/- रुपये में बेचा गया जिनका उचित बाजार मूल्य 66,800 रुपये आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-4-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर,

कानपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश सं० 655-ए०:—यतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए से अधिक है और जिसकी सं० ०००० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खुर्जा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री खिन्चू सिंह सुपुत्र श्री श्री काले नि० पंजानियान खुर्जा

(अन्तरक)

2. श्री खान चन्द्र पुत्र छजुआ नि० पंजानियान खुर्जा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित खुर्जा में 7250/--- रुपये को बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,11,000:— रुपये आंका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-4-79

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निर्देश नं० 740-ए०—अतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1 श्री सरदार मिह पुत्र फूल मिह निवासी रघुनाथ पुर पर: तह० हापुड़ डा० भटियाणा जिला गाजियाबाद (अन्तरक)

2 श्रीमती धनो देवी पुत्री बल्लू निवासी मोहल्ला जन्दी कम्बा हापुड़ ब भागे राम पुत्र बुद्धन निवासी रघुनाथपुर डा० भटियाणा पर: तह० हापुड़ जिला गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम रघुनाथपुर पर व तह० हापुड़ गाजियाबाद में 57,000/- रुपये में बेची गई ज़िम्का उचित बाजारी मूल्य 79,267/- रुपये आंकी गई है ।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-4-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 12 अप्रैल 1979

निदेश नं० 750-ए—अतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 1-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
नियमित जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मादि:—

1. श्री श्यामल्ला खां पुत्र कश्मत अली खां निवासी
गढ़ीहसनपुर परगना शिक्षाना तह० कैराना जिला
मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री रामचन्द्र व नेकीराम पुत्रगण दादूराम निवासी
गढ़ीहसनपुर डा० खास पर : शिक्षाना तह० कैराना
जिला : मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गढ़ीहसनपुर में 59,232/- रुपये
में बेची गई। जिसका उचित बाजारी मूल्य 93,500/- रुपये
था का गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अप्रैल 199

निदेश नं० 751-ए—अतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कैराना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के सिद्ध पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्र०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में
जहाँ उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—56GI/79

1. श्री प्रदीप कुमार पुत्र स्व० श्री महेन्द्र प्रकाश
व श्रीमती शारदा कुमारी विधवा श्री महेन्द्र प्रकाश
निवासी रहैम मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्रीमती जनित्ति देवी पत्नी श्री भगवान सहाय
व श्रीमती टकिम देवी पत्नी राजपाल सिंह निवासी
हरद फतहपुर डा० खाम परगना थाना भवन तहसील
कैराना जिला : मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कपि भूमि ग्राम हिन्ड परगना थाना भवन में 1,00,000/-
रुपये में बेची गई जिनका उचित बाजारी मूल्य 1,96,000/-
रुपये आंका गया है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जुन रेंज), कानपुर

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश नं० 754-ए—अतः मुझे भारत चन्द्र चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है तथा जो मे स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानसथ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
29-8-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धन प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को भारत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पूरन प्रताप सिंह पुत्र पीताम्बर सिंह
निवासी निकट बड़ा डा० बिकानेर (राज०) व श्रीमती
उमिला देवी स्त्री प्रेम स्वरूप निवासी मन्दावर जिला
बिजनौर

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी स्त्री सुबे सिंह निवासी गुजरहाउस
पक्का बाग खतौली पर: खतौली तह०: जानसथ
जिला : मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम तालडा में 1,29,900/- रुपये में बेची गई
जिम्हा उचित बाजारी मूल्य 1,75,440/- रुपये आका गया
है।

भारत चन्द्र चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 12-4-1979

मोहर:

प्रारूप आई टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व. योत्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1979

निर्देश नं० 527/एल/अर्ज०/78-79—अतः मुझे : भ० च०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एटा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
11-9-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती में) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाणिज्य में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
का प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र केशव देव व अशोक
कुमार पुत्र कन्हैया लाल निवासी पक्की गली मुहल्ला
नाथूराम परगना, तह० एटा

(अन्तरक)

2. श्री हरीशंकर महेश्वरी पुत्र कन्हैयालाल, राजेन्द्र
प्रसाद गुप्ता पुत्र लछिम प्रसाद, श्रीमती ओमलता
स्त्री चन्द्र प्रकाश निवासी कस्बा सिकन्द-
राऊ व सत्य प्रकाश पुत्र बाबू लाल निवासी ग्राम
ऊंचागांव तह० जलेश्वर जिला एटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 8 बीघा 17 बिस्वा 15 बिस्वासी
स्थित मौजा मिकन्दराऊ जिला अलीगढ़ 22500/- में बेची गई
जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 80,000/- है

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल, 1979

निदेश नं० 535/अर्जन/एटा/78-79—प्रतः मुझे : भ० च०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी स० है तथा जो मे
स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एटा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
6-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

1 श्रीमती विमलेश कुमारी स्त्री रामश्वर महाय
रायजादा निवासी फतेहगढ़ जि० फर्रुखाबाद हाल बदायू
मु० शेखपट्टी जि० बदायू

(अन्तरक)

2 श्री रंजीतसिंह रामशंकर सिंह पुत्र मल्लिखान
सिंह मु० थान वाले सा० गढ़िया शीलम परगना
मोहारक महेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, हेमसिंह पुत्रगण
मल्लिखान सिंह मु० होली वाले गढ़िया शीलम परगना
मोहार जिला एटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-ब में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6.48 एकड़ स्थित नगला पंचप
परगना मोहार जिला एटा 41,900/- में बेची गयी जिसमें कि
अनमानित उचित बाजारी मूल्य 60,000/- आंका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-79
मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1979

निदेश नं० 586/अर्जन/जलेसर/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलेसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किया प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र पाल पुत्र सूरजपाल निवासी जिनावली पो० अवागढ़ परगना जलेसर जिला एटा

(अन्तरक)

2. श्री गजराजसिंह पुत्र सुजान सिंह, बहादुर सिंह पुत्र नवाब गिह, कमलसिंह, बृजेन्द्र सिंह, नेपाल सिंह, पुत्राण लालाराम व अन्य निवासी कलियारपुर मजरा जिनावली परगना जलेसर, जिला एटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6.07 एकड़ स्थित मौजा जिनावली परगना जलेसर, जिला एटा 56,500/- में बेची गयी जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 94,000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-79

मोहर :

रक्षा आर्द्ध० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज. कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश न० 139/अर्जन/हाथरस/78-79--अन: मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी स० हेतुआ जो मे
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रीन पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हाथरस में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 6-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम का दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविकता में कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
जन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा एकदम नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती खरवेदी विधवा कैलाशचन्द्र अग्रवाल
चम्पी बाजार हाथरस जिला अलीगढ़ व श्रीमती ऊषा
अग्रवाल स्त्री जमनाप्रसाद निवासी सेठवाडा तिल्लम
द्वार मथुरा

(अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द पुत्र चिरंजी लाल यादव
निवासी लोहामण्डी, खाती पाड़ा शहर आगरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के धार्या 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उप धार्या में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति दुकान तीन खती व आग सायवान स्थित
चम्पी बाजार हाथरस जिला अलीगढ़ 40000/- में बेची गयी
जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 60000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, कानपुर।

तारीख : 18-4-1979
मोहर :

प्ररूप धार्क० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भरत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 18 अप्रैल 1979

निवेदन नं० 242/एक्य०/एए/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स०

है तथा जो मे

स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसी दृश्यमान प्रतिकल से, एक दृश्यमान प्रतिकल के स्वरूप प्रविष्टि से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धरा या अन्य आस्थियों को एक संपत्ति के रूप में अधिगत (धियाँ 11) 2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रदान की गई शक्तों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाना था, छिपाते हैं सूचना के लिए

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग क अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मांत 1—

1 श्री सूरजशान पुत्र गणशामा निवासी
मौनगंगा परगना एटा गरीब तहसील तारा
एटा

(अन्तरक)

2 श्री गान्ध्या पुत्र सत्यवन्धा नशीर खा पत
बणीर खा शेर खा उन्नाखा पुत्र बाजिद अली
निवासी मौनगंगा परगना एटा गरीब तहसील तारा
एटा।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना प्राप्त करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन में संबंधित कोई भी बाधक, - -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्पश्चात्, जिसका अन्तर्गत तारीख में 30 दिन का अवधि, जो भी प्रकाश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में 15% तक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी लिखित में किया गया है।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुसूची 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अनुसूची में दिया गया है।

अनुसूची

अवल संपत्ति यदि संपत्ति 6 2 एटा में मौनगंगा परगना एटा गरीब तहसील एटा 1 000/- मंजरी गई जिसका निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 19700/- है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज) कानपुर

तारीख 18-4-1979

मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश नं० 891/अर्जुन/आगरा/78-79—अतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्रीमती डा० अशी प्रभा जैन पुत्री लाला गोपीनाथ जैन स्वी रतनकुमार गुप्ता निवासी 38 लाजपतनगर शहर अलवर

(अन्तरक)

2. श्री अशरफी लाल जैन पुत्र पाती राय जैन, अरुण कुमार जैन पुत्र अशरफी लाल जैन निवासी 10/47 कटरा सद्दारी खा आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्विस्तारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 13/208, नगला बुढ़ान सैयद नरबासा शहर आगरा 40000/- में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य 70000/- है।

भ० च० चतुर्वेदी

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रज, कानपुर

तारीख : 18-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश नं० 889/अर्जन/आगरा/78-79—अतः मुझे,
भ० च० चतुर्वेदी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
25-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों,
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातु :—
9-56G1/79

1. श्री गौरीशंकर पुत्र लाला शम्भू नाथ, धनश्याम
हरीशंकर, शरदकुमार पुत्रगण ला० गौरी शंकर
अन्य निवासी 44 ए० माल रोड, आगरा
(अन्तरक)

2. श्री अमर नाथ जी पुत्र विमेश्वर नाथ निवासी रोश
मोहल्ला, आगरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुकान नं० 29/199 राजामण्डी आगरा
50000/- में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य
75000/- है ।

भ० च० चतुर्वेदी,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख : 18-4-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 23 अक्टूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 255/78-79—यतः मुझे, श्री० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोडुंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडुंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन 17-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वामदेवन और अन्य

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोच्चूमरियम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

65 cents of land with buildings vide document No. 2048/78 of SRO Kodungallur.

श्री० मोहनलाल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम।

तारीख 23-10-1978

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिन-16

कोचिन-16, दिनांक 28 फरवरी 1979

निदेश सं० एल० सी० 290/78-79—यतः मुझे के० नारायण मेनोन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो मतलमडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोलनकोड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मात्यू टी० माराट्टकुलम

(2) अन्नकुटी मात्यू

(3) फिलोमिना तोमस

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज के० जे० प्लान्टेफणस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अछोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

914 acres of Coffee, Cardamom and Cinnamon estate as per Schedule attached to document No. 953/78 of SRO, Kollengode.

के० नारायण मेनोन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 28-2-1979

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

मोहर :'

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/510—यतः मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो भरतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय भरतपुर में रजिस्ट्रीकरण [अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रतन लाल वैश्य पुत्र श्री वैदरी राम वैश्य अटल बन्ध मन्डी भरतपुर वर्तमान में कोसी कला जिला मथुरा (उ० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री रघुनाथ प्रसाद वैश्य मोरीचार बाग भरतपुर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो नई मंडी भरतपुर में स्थित है और उप पंजियक भरतपुर द्वारा क्रमांक 1338 [दिनांक 30-8-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 27-2-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 24 फरवरी 1979

निवेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन—यतः मुझे हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो भरतपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रतन लाल वैश्य पुत्र श्री बदरी राम वैश्य, अटल बन्ध मंडी भरतपुर वर्तमान में कोसी कलां जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी श्री राम स्वरूप वैश्य, अटल बन्ध मंडी, भरतपुर (राज०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जो नई मंडी, भरतपुर में स्थित है और उप पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रमांक 1337 दिनांक 30-8-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-2-1979

मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती रामम प्रयागी देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ललित मोहन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मार्च 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

निर्देश नं० एल-28/एसीजी--अतः मुझे अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और सिको संख्या जे०-12/15 है तथा जो बी-1-हिमकार बाग
स्थित है तथा जो धूपचन्डी पेलिसाबाग शहर वाराणसी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
21-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धारताः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जुज हिस्सा मकान नं० जे० 12/15-बी-1 सी स्थित मोहल्ला
धूम चन्डी बेलियाबाग शहर वाराणसी क्षेत्रफल 214-60
वर्गमीटर दो मंजिला है जिसमें 7 कमरे हैं। असेस्मेन्ट सालाना
700/5 पूर्ण स्वामित्व है। तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण
जो फार्म 37-जी संख्या 6331 तथा सेलडीड में वर्णित है जो
दोनों सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में 12-8-78 को
दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 28-3-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश नं० जे-50/अर्जन रेंज—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो दो मंजिला मकान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धातुधियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्रीमती शान्ती देवी अग्रवाल (अन्तरक)
2. श्री जगत नारायण तिवारी (अन्तरिती)
3. स्वयं (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रोप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्टव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका रकबा 6300 वर्गफुट मोहल्ला न्यू हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी संख्या 3057 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-8-78 को पंजीकृत है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 31-3-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश नं० आर-130/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 29-ए है तथा जो कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री जैतिन्दर कुमार तेरहन

(अन्तर)

2. श्री रमेश कुमार अग्रवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 29-ए जिसका रकबा 14550 वर्गफुट है जोकि कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण विवरण जो कि फार्म 37-जी व 5237 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में दिनांक 8-11-78 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 31-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/21157/78-79/एकुआयर-यत मुझे पी० रंगनाथन,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 8/3, स्ट्रीट नं० 27, है, तथा जो एच० मिह्दर रोड, डिविजन नं० 38 बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय बसवनमुडि, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 16-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पेद्दप्पा नायडु पुत्र पुनिस्वामी नायडु
204, पाबल्लि टंपाक बंड रोड,
जर्नेलिस्ट कालोनी, बेंगलूर-2

(अन्तरक)

- 2 (1) श्री एल० एम० अहमद पुत्र सफदर हुसैन
(2) एल० एम० सरदार अहमद

6—56GI/79

- (3) एल० एम० आनिम अहमद
पुत्र एल० एम० अहमद
नं० 21, नया—पटवून पेट,
बेंगलूर-2

(अन्तरिनी)

3. (1) श्री एम० नागराज वेस्ट पेपरमर्चेट
(2) के० हममा, जनरल मर्चेट
(3) एम० यूसुफ, बिसमिल्ला टी स्टाल
(4) हर्षवर्धन मिह केसर आफ माधना इंडस्ट्रीज
नं० 8/3, ग्राऊंड फ्लोर,
एच० मिह्दर रोड, बेंगलूर-27
- (5) ममम निटको रोड बेज नं० 813, एच० मिह्दर रोड,
बेंगलूर-27
नं० 41, मार्बल्ल टंपाक बंड रोड कलामिपाल्द, बेंगलूर-2
- (6) जी० वि० शामराव, कर्नाटक सारी प्रिटिंग
नं० 8/3 एच० मिह्दर रोड, बेंगलूर-27

को यह सूचना प्राप्ति करके पूर्वोक्त नमानि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त नमानि के प्रवर्तन के संबंध में कोई भी आशेषः—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 1556/78-79 ता० 16-8-78)

सारा सम्पत्ति का नं० 8/3, स्ट्रीट नं० 27, एच० मिह्दर रोड, डिविजन नं० 38, बेंगलूर
चक्रवर्ती :

- पु० : कार्पेरिशन रोड
प० : प्राईवेट प्रापर्टी,
उ० : वही और
द० : एच० मिह्दर रोड

पी० रंगनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख : 15-3-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० आर०-63/2113/78-79/एक्यू०/13—

यतः मुझे, पि० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है तथा जो किल्लारी रोड 8 क्रम
बंगलूर मिटी में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज सं० 1692/78-79 में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन
ता० 24-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लक्ष्मणा सं० 27 2 क्रम स्ट्रीट मेजर
ट्रस्ट पूरम मद्रास-24।

(अन्तरक)

(2) 1. मास्टर डीवापुठ्टीस्वामी 2. कुमारी एम०
लक्ष्मी 3. मास्टर यम राधाकेटरा 4. कुमारी
यम पूरनिमा 5. मास्टर यम लोहिया सब
नाबानिग हैं तथा उनकी मां कर्णन कर रहे
हैं श्रीमती यम० पी० एम० पावत्तममा सं०-27
2 क्रम स्ट्रीट मेम्बर ट्रस्ट पूरम मद्रास-24।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1692/78-92 ता० 24-8-78)

खाली घर की जमीन सं० 11 जो किल्लारी रोड,
8 क्रम बंगलूर मिटी में है और जिसका नाप है 38.64
स्क्वयर मीटर।

पूरुब	बि० बि० के अडनगर रोड
प०	किल्लारी रोड 8 क्रम
उ०	निजी सम्पत्ति
द०	निजी सम्पत्ति

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख: 15-3-1979.

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/20374/78-79/एनयू०/
वी०—यतः मुझे पी० रंगानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० न अधिक है
और जिसकी सं० 2012 है तथा जो राजाजीनगर 2 स्टेशन
बंगलूर 10 में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री कर्ता अधिवारी के कार्यालय
राजाजी नगर बंगलूर दस्तावेज सं० 2002/78-79 में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
के अधीन ता० 7-8-1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किमी आर की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री एन० एम० अडकोली पुत्र श्री एम० एन०
अडकोली मयानेजिग डाईरेक्टर कारनाटका स्टेट
फारेस्ट इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड मन्गलूर-3।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० ललीतममा पत्नी श्री एल० एच०
एन० महादेवन सं० 1 पी० एम० के० लेन
अक्कीपेट बंगलूर-53।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2002 ता० 7-8-78)

घर संपत्ति सं० 2012 राजाजी नगर 2 स्टेशन
बंगलूर-10।

बोंडरीज (चक्रवर्ती) —

उ०	राज
पूरब	राज
द०	साइट सं० 2012
पा०	साइट सं० 2011

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख: 15-3-1979.

मोहर:

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 19 मार्च 1979

निर्देश सं० सी० आर०-62/20659/78-79/ए.क्यू०/

बी०—यतः मुझे पी० रंगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एस० नं० 285/ए० जेड० ए०-टी० एस० एन०-170/ए० जेड० ए० है तथा जो बन्टम हासटल रोड, कोडियाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर, दस्तावेज सं० 474/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 28-2-1978 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के आयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मिमज गंगममा, पत्नी श्री नेट प्रमोदवराया 8/114-सी, उलड टानक रोड, पालावरन, मद्रास-43।

(अन्तरक)

(2) मसर्म महाबालेपवरण सर्विसेज और एजेन्सीज (प्राइवेट) लिमिटेड, महाबालेपवर, कदरी रोड, मंगलूर-575003। रेप्रेजेंट कर रहे हैं उनके डायरेक्टर, श्री के० सी० नायक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राश्ट्रकोरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 474/78-79, ता० 28-8-78)

29 सन्तम जमीन धर के साथ तथा जी बन्टम हासटल रोड काडियालबेल मंगलूर-575002 में है। उसका सं० है नं० आर० एस०-285/ए०-जेड० ए०-टी० एस० नं०-170, ए०-जेड० ए०)।

पी० रंगानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर)

तारीख : 9-3-1979.
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 19 मार्च 1979

निर्देशन सं० सी० आर०-62/20789/78-79/प्र.सू०/बी०—यतः मुझे पी० रंगानाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० रेलवे डिपो सं० 2546 है, तथा जो टुमकूर टोन रेलवे स्टेशन के सामने में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टुमकूर दस्तावेज सं० 2003/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 2-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्:—

(1) श्री एम० भावरलाल, पुत्र श्री एम० सोहन लाल, 2. श्रीमती एम० तारा० बाय, पत्नी श्री एम० भावरलाल, केन्द्र आफ कान्ती स्लिक होज एम० जी० रोड, टुमकूर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्री० श्री० प्रणावा स्वरूपी, डाक्टर पीवाकुमारा-स्वामी, पिधानीपती गालो, मिश्रगंगा मटटा, टुमकूर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2003, ता० 2-8-79)

घर सम्पत्ति सं० 2546 तथा सं० 2646/2661, रेलवे डिपो रेलवे स्टेशन के सामने टुमकूर टाउन टुमकूर।

पी० रंगानाथन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख: 19-3-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ऐसी०/एक्सी०/भोपाल/78-79/1236

—यतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो इन्दौर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुनील कुमार पुत्र श्री नेम कुमार पोरवाल,
गांधी चौक, कामठी नागपुर, वर्तमान 135,
जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्त पुत्र श्री भाई लाल भाई पटेल
1/3, तिलक पथ, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 135 पर बना मकान जावरा कम्पाउण्ड,
इन्दौर :

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 31-3-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०बी०/भोपाल/78-79/

1237—यतः मझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे हममें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और हममें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मनोण चन्द्र सोहन लाल सोंधी, 2. श्रीमती गीता सोंधी, 3. कु० सीमा सोंधी, 4. अनुराधा सोंधी, 5. राजेन्द्र कुमार सोंधी पुत्र श्री सुरेश कुमार सोंधी, महारानी रोड, इन्दौर (अन्तरक)

(2) सुरेश चन्द्र, 2. महेश चन्द्र, 3. दिनेश चन्द्र, 4. गोपाल, 5. अरुण कुमार सभी पुत्र श्री छगन लाल मित्तल, 22/1, साउथ तुर्कगंज इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि प्लॉट नं० 22/9, साउथ तुर्कगंज, इन्दौर।

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

निरीक्षी महायुक्त आयकर आयुक्त,

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-3-1979.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1238—अन० मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट/गोदाम है, तथा जो इन्दौर में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
10-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) मैसर्स इन्दौर गुडम ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन द्वारा
पार्टनर श्री मुख दयाल शंकर दाम पाह्लाव श्रीमती
प्रवेश रानी, 246, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स अमर रोडवेज पो० श्री अमर लाल एण्ड
कं० 342, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 105, साथ गोदाम स्थित ट्रांसपोर्ट नगर,
इन्दौर।

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),

अर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख : 31-3-1979.

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ए० जी०/एकवी०/भोपाल/78-79/1239—अतः मुझे बी० एन० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-56GI/79

(1) श्री धरमवीर मोहिन्द्रा अवकाश प्राप्त विंग कमांडर पुत्र श्री शादीराम मोहिन्द्रा नं० 4, आगरा क्लब आगरा।

(अन्तरक)

(2) 1. डा० गुरनेक सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री डा० तर्क सिंह ग्रेवाल, 2. श्रीमती बलजीत कौर ग्रेवाल पुत्र डा० गुरनेक सिंह ग्रेवाल, 3. श्री दलवीर सिंह ग्रेवाल व श्री प्रीतम सिंह पुत्र डा० गुरनेक सिंह पुत्र डा० गुरनेक सिंह ग्रेवाल, लाल हास्पिटल, गांधी हाल के सामने, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० बी०-102, साकंत कालोनी, इन्दौर

बी० एल० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त),

अर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख : 31-3-1979.

मोहर :

प्ररूप आई० टी एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोपाल,
 भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल 78-79/
 1280—अतः मुझे वी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिनकी सं० मका प्लॉट है तथा जो इन्दौर में स्थित
 है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 17-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

1. श्री हरी कुमार पुत्र श्री मोती लाल महेश्वरी
 निवासी 24 बी, विल्डर्स कालोनी, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमति मोहन बाई पति श्री वर्धमान जी पीतालिया
 30, लोधी मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
 भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
 में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7 पर बना मकान धनुमार्केट, इन्दौर।

ज० एल० राव,
 सक्षम प्राधिकारी
 (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त
 अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक : 31-3-1979
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० (एक्वी)/भोपाल 78-79/
1249—अतः मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग के बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी वन या अन्य धास्तियों को,
जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमति चन्द्र प्रभा देवी पत्नि श्री रतन लाल
मोदी (2) श्री भारत कुमार पुत्र श्री रतन लाल मोदी
(3) श्रीमति सुधा देवी पत्नि श्री मनमोहन जी मोदी,
5/1, साउथ यकागन, इन्दौर (अन्तरक)

2. (1) श्री जोहर अली पुत्र श्री तय्यब अली (2)
श्री कैसर अली पुत्र श्री तय्यबज अली (2) श्री बाकिर
अली पुत्र श्री तय्यब अली 81, महारानी रोड, इन्दौर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5/1, पर बना मकान, साउथ तुर्कगंज,
इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक : 31-3-1979

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एम०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 78-79/1242—अतः, मुझे, बी० एल० राव, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संप्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-78 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्रायकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः—

1. (1) श्रीमति चन्द्रप्रभा देवी पत्नि श्री रतन लाल मोदी, (2) श्री भारत कुमार पुत्र श्री रतन लाल मोदी, (3) श्रीमति सुधादेवी पत्नि श्री मनमोहन मोदी (4) श्रीमति कुसुमदेवी पत्नि श्री भारत कुमार मोदी (5) श्रीमन, मोहन मोदी पुत्र श्री रतन लाल मोदी 5/1, साउथ तुकागंज इन्दौर (अन्तरक)

2. (1) श्री जोहर अली (2) श्री कैसर अली पुत्र श्री तय्यबअली (3) श्री बाकिर अली (वयस्क) द्वारा श्री तय्यब अली पुत्र श्री गुलाम हुसैन 81, महारानी रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 5/1, साउथ तुकागंज, इन्दौर।

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-3-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 3 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी० (भोपाल) 79-80/1243—अतः मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घात या किसी घन या अन्य घासियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्जातः—

1. श्री विपिन चन्द्र गज्जर । श्रीमति चन्द्रिका गज्जर 47/3, नर्वदारी रोड, जबलपुर । (अन्तरक)

2. श्री (1) कमल कृष्ण (2) श्री सन्तोष कुमार (3) अनिल कुमार पुत्र श्री पिछोरी लाल व श्रीमति शरन पत्नि श्री पिछोरी लाल गलगरा, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 47/3, नर्वदा रोड, जबलपुर

बी० एल० राव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 3-4-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 881—अतः मुझे बी० बी० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 94 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन 7-8-1978

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सी० एच० रविशंकर, विजयवाड़ा (अन्तरक)
(2) श्री दि० कन्नौशन आफ दी फानसिसकेन मिश-
नरी मन्चकीपटरन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत
15-8-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3725/78 में निग-
मित अनुसूची संपत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 9 मार्च 1979
मोहर

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 882 दिनांक अतः मुझ बी० वी० सुब्बाराव
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० 50-110-9 है, जो वैजाम में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैसी में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रत्येक प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में;
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बी० नरसिगराव गिशाखपट्टनम (अन्तरक)

2. श्री एं० आर० भरतन विशाखापट्टनम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वैजाम रजिस्ट्री अधिकारी सं० पाक्षिक अंत 15-8-78
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4824/78 में निगमित अनुसूची
संपत्ति।

बी० वी० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 9-3-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० पी० आर० 657/ए०सी० क्यू० 23-1246/19-2/
78-79—अतः, मुझे एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 216 है तथा जो गांव कडोदारा,
ता० पालसाना जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

1. (1) ठाकोरभाई मकनभाई (अन्तरक)
(2) गोपालभाई मकनभाई
(3) ठाकोरभाई मकनभाई, मगीर महेंद्र कुमार
ठाकोर भाई के घाली की हैसियत में
गांव : सारोली, ता० खोरासी, जिला सूरत
2. जयभारत सिल्क एन्टरप्राइज पार्टनरस
(1) रामरिचपाल रामेश्वरदास कालगा देवी, बम्बई,
(2) कमला देवी फूलचन्द आर्य, मोयारा स्ट्रीट,
कलकत्ता,
(3) सुशील कुमार फूलचन्द बिन्दर, प्रभु दर्शन
को० आ० हाउसिंग सोसाइटी, अठवा लाईन्स
सूरत ।
(4) रवि सत्य प्रिय आर्य, पोद्दर रोड, बम्बई ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जो ब्लाक नं० 216 गांव कडोदारा, ता०
चौरियासी जिला सूरत में स्थित है जिसका कुलमाप 11 एकड़
10 गुंथा है तथा जिसका दस्तावेज रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
कामरेज द्वारा अगस्त, 1978 में रजिस्ट्र किया गया है ।

एस० सी० पारिख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 26-3-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1979

स० ए०सी०क्यू० 23-I-2076 (802)/16-6/78-79-

अतः मुझे एम० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी स० मकान 250 वर्ग गज जमीन पर
(खड़ा न० 490) पैकी है। तथा जो जकेशन प्लॉट, शेरी
न० 5/10 राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एम
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और
अन्तरण (यन्तारको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी धाय का शेष उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एमो किसी धाय या हिस्से धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

8-5601/79

1 श्री लक्ष्मीदाम हराजीपत प्रासनानेक डोनडोरी,
जिला चादला मध्य प्रदेश। (अन्तरक)

2. श्रीमती ज्योतिबाला जयन्तीलाल कछाला स्ट्रीट
न० 5/10, जकेशन प्लॉट राजकोट। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान (दो मजिल का), 250 वर्गगज जमीन पर खड़ा
हुआ (अर्थात् लेख न० 490 पैकी) जो 5/10 जकेशन
प्लॉट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रेशन रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट द्वारा ता० 11-8-1978 को
बिक्री दस्तावेज न० 2435/16-6-78 से हुआ है (37-
जी फॉर्म द्वारा जिसकी सूचना जनवरी 1979 के हमारे
पत्रवाड़े में सब रजिस्ट्रार राजकोट से प्राप्त हुई थी) याने
एकट बिक्री दस्तावेज में मिथकन का पूर्ण वर्णन दिया गया
है।

एम० सी० पारिख

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज- , अहमदाबाद

दिनांक: 23-4-1979

मोहर:

प्रश्न नम्बर टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० सीएचडी०/196/78-79.—यत. मुझे,

नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग प्लॉट न० 18 जिसका क्षेत्रफल 566.2 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीट डी सैक्टर 21-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1978, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र रमालदार हीरा सिंह द्वारा जनरल अटारनी और पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह वासी गांव साहारों माजरा जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्रीमती नीरा मल्होत्रा पत्नी श्री मधुकर मल्होत्रा वासी मकान न० 1028 सैक्टर 36-सी चण्डीगढ़।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्लॉट न० 18 स्ट्रीट डी सैक्टर 21-सी (अब 2228) जिसका क्षेत्रफल 566.2 वर्ग गज है और जो चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जगदीश जैन) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के बिलेख संख्या 435 अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना।

तारीख : 18-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रक्रियाम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० सीएचडी०/197/78-79:—प्रतः मुझे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 का 1/2 भाग जिसका
क्षेत्रफल 566.2 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीट डी सैक्टर
21 सी (अब नं० 2228) चण्डीगढ़ में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

1. श्रीमती गुरदेव कौर विधवा श्री करनैल सिंह सर्व
श्री नागिन्दर सिंह भूपिन्दर सिंह दलजीत सिंह
परमिन्दर सिंह बलजिन्दर सिंह पुन स्व० श्री करनैल
सिंह श्रीमती अमरजीत कौर व रजिन्दर कौर
पुत्रियां स्व० श्री करनैल सिंह द्वारा अनरल अटार्नी
श्री नागिन्दर सिंह वाली गांव गोबिन्दपुरा तहसील
पायल जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमति नीरा मल्होत्रा पत्नी श्री मधुकर मल्होत्रा
बासी मकान नं० 1028 सैक्टर 36-सी चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 18 का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 566.2
वर्ग गज है और जो स्ट्रीट डी० सैक्टर 21-सी (अब नं०
2228) चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 436 अगस्त 1978 में दर्ज
है)

नत्थू राम

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० सीएच डी०/203/78-79:—यतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है, और जिसकी सं० मकान नं० 3240 सैक्टर 15-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चन्दन सिंह पुत्र मुन्ना सिंह बामो मकान नं० 3240 सैक्टर, 15 डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री किशन चन्द भटी व रूप लाल भटी पुत्र श्री चरा राम बामो मकान नं० 1500 सैक्टर 22-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3240 सैक्टर 15-डी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 455—अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० सीएच डी०/206/78-79—यन मंजूर
नत्थू रामआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 1/2 भाग एम० सी० ओ० साईट न०
57 जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर
30-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि पर्याप्तपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के हारित्व
में कमी करने या उमंग बनाने में सुविधा के लिए
और/या(ख) ऐसी किंवा प्राय या किंवा धरा या अन्य आस्तियां को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—1 श्री ठाकुर सिंह अरोरा पुत्र श्री पूर्ण सिंह अरोरा
द्वारा जनरल अटार्नी श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री
हरमजन सिंह बामी मकान न० 3011 सैक्टर
19-डी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2 श्री रंजन नान पुत्र श्री हाकम राय वासी
मकान न० 1266 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोःस्थापरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एम० सी० ओ० साईट न० 57, सैक्टर
30-सी जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है और जो चण्डीगढ़
में स्थित है।(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विवेक संख्या 168 अगस्त, 1978 में दर्ज
है)नत्थू राम,
मक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लुधियाना,

तारीख: 18 अप्रैल, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षीण

अर्जेंट रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 18 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/219/78-79:—यतः मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और ज़िमकी सं० 1/2 भाग एम० सी० ओ० साईट सं० 57, ज़िमका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 30-सी-चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी राय या किसी घन या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाके में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ठाकुर सिंह अरोरा पुत्र श्री पुरत सिंह अरोरा, द्वारा जनरल अटार्नी श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह वासी मकान नं० 3011, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री रोशन लाल पुत्र श्री हाकम राय, वासी मकान नं० 1266, सैक्टर 34 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग एम० सी० ओ० साईट नं० 57 जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है और जो सैक्टर 30 सी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 541 सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जेंट रेंज, लुधियाना।

तारीख: 18 अप्रैल, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० सी० एच० डी/210/78-79—अतः सूक्ष्मे
नत्थ राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० गम० सो० आर० माईट सं० 205, जिसका
क्षेत्रफल 134.17 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 7-सी,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुगृही में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधत्तः—

1. श्री राम दास भासीन पुत्र श्री गोपाल दास भासीन,
वासी 2157, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ द्वारा जनरल
अटारनी श्री लोम हरशरण पुत्र श्री बनारसी दास,
वासी 1938, सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सेवा मिह पुत्र श्री दलेल मिह वासी लागत
नं० 557 सैक्टर 7 बी० चण्डीगढ़।

(2) श्री विलोक मिह मण्डीयार पुत्र सेवा मिह
द्वारा श्री सेवा मिह (अटारनी) वासी मकान
नं० 557 सैक्टर 8-बी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए
कार्यवाही करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गम० सी० आर० माईट सं० 205, सैक्टर 7 सी,
चण्डीगढ़, जिसका क्षेत्रफल 134.17 वर्ग गज है
जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
विलेख संख्या 482, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नत्थ राम
मन्त्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल, 1979
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंट रोज आयकर सदन, लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० सी० एच० टी/211/78-49—अनं मुझे
नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
हमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है

श्री० जिसकी सं० प्लॉट सं० 96, सैक्टर 18-बी० है
तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्री० इसमें उपायुक्त अनुसूची
में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि या पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के विरूप पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
से, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 ल० कर्नल आर० एन० मलिक पुत्र स्व० श्री डी०
एन० मलिक, हैडमास्टर दी इनफैंटरी स्कूल, माथो
(एम० पी०)
(अन्तरक)

2. श्री प्रदीप कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री एम पी० मल्होत्रा,
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्राप्ति या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोक्लासरी के पाम
निबिड में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:— हमने पता लगाया और पढ़ा कि, उक्त अधि-
नियम, क प्रधाय 20-क में परिभाषित है वही
अर्थ होता जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 96, सैक्टर 18-बी०, चण्डीगढ़ (आर० पी०
न० 1509)।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 484, मितम्बर, 1978 में
दर्ज है)

नत्थू राम,
सक्षम अधिकारी,
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजेंट रोज, लुधियाना।

तारीख . 18 अप्रैल, 1979
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० सी एच० डी०/212/78-79—अतः मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० एम० सी० ओ० नं० 288, सैक्टर 35-डी०, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

9—56G1/79

1. श्री अरजीत सिंह महल पुत्र श्री प्यारा सिंह महल द्वारा जनरल अटारनी श्रीमति नरिन्दर कौर 11, किडवई नगर (बैस्ट), नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कैप्टन हरिन्दर सिंह पुत्र श्री बख्तावर सिंह श्रीमती भजन कौर पत्नी श्री हरिन्दर सिंह बासी 2136, सैक्टर 21 सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. श्री मंगत राम मारफत, मैसर्स न्यू कृष्णा टैट स्टोरेज, श्री अश्वनी कुमार, मलिक मैसर्स ए० सी० कौनफैक्मनरी, मैसर्स, चन्द्र मोहन खजान चन्द मारफत, मैसर्स चन्द्र स्टोर्ज व मार्टिनल वक्स, बासी एम० सी ओ० 288, सैक्टर, 35 डी चण्डीगढ़।
दी कन्ट्रोलरज आफ इम्पोर्ट व इक्स्पोर्ट, भारत सरकार।

(वह व्यक्ति) जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. फस्ट व सैकण्ड फ्लोर, एम० सी० ओ० 288, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० सी० ओ० नं० 288, सैक्टर 35 डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 485, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/214/78-79—अतः मुझे
नरथ राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 8, सैक्टर 16-ए०, चण्डीगढ़
है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में 'रजिस्ट्रीकरण' अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बटन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० आर० बडेरापुल श्री हरबन्स लाल बडेरा,
श्रीमती सबिता बडेरा पुत्री श्री के० आर० बडेरा
श्री राजीव बडेरा रेनू बडेरा व यतीश बडेरा वासी
1016, सैक्टर 11-सी, चण्डीगढ़ I (अन्तरक)
2. श्रीमती बिमला जैरथ पत्नी एम० एल० जैरथ
श्री रमेश जैरथ व श्री विनेश जैरथ पुत्र श्री एम०
एल० जैरथ वासी 700, सैक्टर 8-बी० चण्डीगढ़ I
(अन्तरिती)
3. श्री सिंगला, असिस्टेंट डरेक्टर आफ इंडस्ट्रीज,
हरियाणा, श्री गौड़ वाले, प्रोफेसर कोमर्स डिपार्टमेंट
पंजाब, यूनिवर्सिटी व डा० एस आर० अवस्थि,
वासी मकान नं० 8, सैक्टर 16-ए० चण्डीगढ़ I
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2C-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8, सैक्टर 16 ए०, चण्डीगढ़।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 495, सितम्बर, 1978 में दर्ज
है।

नरथ रामा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 अप्रैल, 1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० सी० एच० डी० 225/78-79:—प्रतः मुझे
नत्थू राम,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०,
तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में तय नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलदेव सिंह हिल्लों पुत्र श्री बहादुर सिंह हिल्लों
वासी मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़
(अब वासी गांव भोगां डा० छलाल, जिला प्रमोतसर)
(अन्तरक)

2. श्री गुरदियाल सैनी पुत्र श्री बालक चन्द सैनी वासी
मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रजेंन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 574, अक्तूबर, 1978
में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 अप्रैल 1979

मोहर

प्रक. आई.टी.एन.एस.—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/228/78-79:—अतः मुझे

नरथू राम,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० माईट नं० 2439-2440, सेक्टर 22-सी, (सी० पी० एल० नं० 2792) है तथा जो चण्डीगढ़, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री ए० एस० पबू द्वारा जनरल अटारनी श्री भीतार सिद्धु सेखों, एस० ई० भाखड़ा मेन लाईन मरफल, पबियाला।

(अन्तरक)

2. श्री अम्बा प्रसाद शर्मा पुत्र स्वः श्री नौराना राम वासी मकान सं० 334, सेक्टर 9, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० ओ० नं० 2439-2440, सेक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ (सी० पी० एल० नं० 2792) जिसका क्षेत्रफल 287.5 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 586 अक्तूबर, 1978 में दर्ज है)

नरथू राम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० एस० एम० एल०/66/78-79:—प्रतः मुखे नरथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जमकी सं० जायदाद नं० 251/बी/2/सीव 251/1/बी० है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्रीमती सीता सूरि वासी मकान नं० 501, सेक्टर 10-सी, अण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विद्या स्टोकस पत्नी श्री एल० सी० स्टोकस, वासी परेवाल, थानेधार, जिला शिमला, (अब एकान्त वन, ढल्लों शिमला-12)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 251/बी०/2/सी व 251/1/बी० स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 525, अगस्त, 1978 में दर्ज है)

नरथू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल, 1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० एस० एम० एल०/67/78-79:—अतः मुझे,

नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० 251/बी०/2/ए व 251/बी/2/बी है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती सीता सूरि, वाली मकान नं० 501, सैक्टर 10-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधा और पत्नी दीप राज पीर वासी परेवाल, थानेघार, जिला शिमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिनका क्षेत्रफल 463 वर्ग गज 8 वर्ग फुट है (नं० 251/बी०/2/ए० व 251/बी/2/बी०) और जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय, विलेख संख्या 524, अगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० एसएम एल/68/78-79—यतः मुझे नरथू,

राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जायदाद नं० 251/बी/2/डी व 251/3 है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी पात्र या किसी धन या धन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सीता सूरी, वासी मकान नं० 501, सैक्टर 10सी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री संजीव स्टोकम पुत्र श्री एल० सी० स्टोकम, वासी परेवाल, पानेधार, जिला शिमला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सदाति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी पृथक् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 251/बी/2/डी व 251/3 जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 523, अगस्त 1978 में दर्ज है।)

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्राकृत्य आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० एसएमएल/69/78-79—अतः मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद नं० 251/बी/2/ई व 251/8 है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर:—

1. श्रीमति सीता सूरि वासी मकाम नं० 501, सैक्टर 10-सी चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. डा० सुधीर स्टोकस पुत्र श्री एल० सी० स्टोकस, वासी परेवाल थानेधार, जिला मिशना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धिदाता के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रख्याप 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रख्याप में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 251/बी/2/ई व 251/8 स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 522, अगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० एम एमएल 2/75/78-79—अतः, मुझे
नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 48, दी माल व मध्य बाजार, है तथा
जो शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर,
1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्प आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—56 GI/79

1. श्री बरबारी लाल गुप्ता, 715, सेक्टर 11-बी,
चंडीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री दिनेश कुमार गुप्ता, बासी 48, बी माल,
शिमला। (अन्तरिती)

3. श्री प्रेम चन्द सूद, मालिक प्रेम चाट शाप, निमला,
श्री फकीर चन्द, मालिक लौहौरियां की हट्टी, शिमला,
माउथ इंडिया काफी हाउस, 48-बी माल, शिमला,
हिमानी रेस्टोरेन्ट, 48-बी माल, शिमला।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यूनाईटेड कर्माशियल बैंक, शिमला। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

48, बी माल, मध्य बाजार, शिमला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के कार्या-
लय के विलेख संख्या 631, अक्टूबर 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश ग० एस एम एल 2/76/78-79—अतः, मुझे नत्थू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मन्त्रिमन्त्रि अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग गज 2
वर्ग फुट है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ब) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. त्रिगेडियर मुखवन्त सिंह पुत्र एस० बी० एस०
ज्ञान सिंह व वाग्मि (गार्डियन) श्री गुरमीत सिंह पुत्र
एस० बी० एस० ज्ञान सिंह वासी ममरलीड, शिमला-7,
श्री दयावन्त सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह वासी दुर्गा विलास,
मिशला-6 द्वारा श्री दपिन्दर सिंह, जनरल अटारनी
(अन्तरक)

2 डा० बालक राम बर्मा पुत्र श्री जिन्दू राम वासी
ग्राम कांगू तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि० प्र०) ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग गज 2 वर्ग फुट है
और जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला के
कार्यालय के क्लेक संख्या 638, अगस्त, 1978 में दर्ज
है) ।

नत्थू राम,
मन्त्रिमन्त्रि अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल 1979

निवेश सं० पीटीए/116-अ/78-79—अतः, मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिमका क्षेत्रफल 14 विघा 7 विशवा है तथा जो गांव अलीपुर अरीयां, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकता में उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भागीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री दलीप सिंह, भजन सिंह, पुत्र श्री सुन्दर सिंह, व श्रीमती करतार कौर विधवा श्री सुन्दर सिंह, गांव अलीपुर अरीयां, तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरक)
2. श्रीमती चमेनी देवी पति श्री हरी दास व श्रीमती प्रेम लता पत्नी राम चन्द मारफत मैसर्स पंजाब राईस मिलज, गांव अलीपुर अरीयां, तहसील व जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिमका क्षेत्रफल 14 विघा 7 विशवा है और जो गांव अलीपुर अरीया, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 2980, अगस्त, 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० पीटीए/122/78-79—अतः, मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 901.1/2 वर्ग गज है तथा जो नजदीक मोदी कालेज सामने सुनामी गेट, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ख की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सजन सिंह पुत्र श्री मिहताब सिंह, वासी पटियाला (अन्तरक)

2. श्री रिपुदमन सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह सेठी वासी नजदीक मोदी कालेज, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 901.1/2 वर्ग गज है और जो सामने सुनामी गेट नजदीक मोदी कालेज, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3089, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० पीटीए/125/78-79—अतः, मुझे नत्थू

राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 5005/5, भूपिन्दरा नगर रोड, है तथा जो बरार स्ट्रीट पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षों :—

1. श्रीमती मोहिन्दर कौर विधवा श्री पूरन सिंह वासी कोठी नं० 77 सैक्टर 8-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्रीमती रणजीत कौर पति श्री करम सिंह डिल्लों, बामी जेठूके जिला भटिडा। श्री घमण्ड मिह चेतल पुत्र हरनाम मिह चेतल बामी मिठवाल, जिला सगरूर।

(अन्तरिती)

3. 1. श्री बी० के० श्रीवास्तवा, (2) श्री बी० के० भायर, (3) श्री जी० बी० शर्मा, (4) श्री सुशील कुमार पापी, वासी कोठी नं० 5995/6 बरार स्ट्रीट भूपिन्दरा नगर, पटियाला (5) स्टेट बैंक आफ पटियाला,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 5005/5, बरार स्ट्रीट भूपिन्दरा नगर रोड, पटियाला।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3256, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० पीवाईएल/49/78-79—अतः, मुझे, नरथू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विघा है तथा जो गांव घनगस सब तहसील पायल जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पायल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री सरदारा सिंह, गांव घनगस सब तहसील पायल जिला लुधियाना (अन्तरक)
2. सर्व श्री त्रिलोचन सिंह, नरविन्दर सिंह पुत्र श्री हर-भजन सिंह पुत्र जसवंत सिंह, गांव घनगस तहसील पायल जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

संपादकः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विघा है और जो गांव घनगस सब तहसील पायल, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पायल के कार्यालय के विनोद संख्या 1033, अगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० एलडीएच/72/78-79—अतः, मुझे, नरथ राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट जिनका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है तथा जो गिल रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्री नरंजन सिंह, हरचन्द सिंह, हरबन्म सिंह, दलीप सिंह, इंदर सिंह, जगदीश सिंह, कपूर सिंह व कुलदीप सिंह मारफत मैमर्ज कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्क्स, गिल रोड, लुधियाना (अन्तरक)

2. परमजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह हुकम सिंह, वासी मकान नं० 718, मुहल्ला चेत सिंह नगर, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिनका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है और जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2095, अगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

नरथ राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० एलडीएच० 72/78-79—अतः, मुझे, नत्थू

राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

1. श्री नरंजन मिह, हरचन्द मिह, हरवन्त मिह, दलीप मिह, इंदर मिह, जगदीश मिह, कपूर मिह व कुलदीप मिह मारफत मैमर्स कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्कर्स गिल रोड, लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्रीमति गुरदेव कौर पत्नि श्री कृपाल मिह पुत्र ब्रुकम सिंह, मकान नं० 718, मुहल्ला चेत मिह, नगर, लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्गगज है और जो गिल रोड लुधियाना, में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2035, अगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक, 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० एनडीएच/87/78—79—अतः मुझे सत्य
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा
जो गिलरोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 18) अधीन, दिनांक सितम्बर, 78
को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वतः सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छहवें से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण ब, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
छपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—
11—56GI/79

1. श्री नरंजन सिंह, हरचन्द सिंह, हरचन्द सिंह, दलीप
सिंह, इंदर सिंह, जगदीश सिंह, कपूर सिंह, व कुल दीप सिंह
मारफत मैसर्स कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्क्स, लुधियाना (गिल
रोड) । (अन्तरक)

2. श्री कृपाल सिंह पुत्र हुकम सिंह वासी, 718,
मुहल्ला चेत सिंह नगर लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है और जो गिल
रोड, लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 2185, सितम्बर, 1978 में दर्ज
है) ।

सत्य राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979
मोहर :

प्रमाण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निवेश सं० एलडीएच/91/78—79—अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है तथा जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमोची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरंजन सिंह, हरचन्द सिंह, हरबन्ध सिंह, दलीप सिंह, इंदर सिंह, जगदीश सिंह, कपूर सिंह व कुलदीप सिंह मारफत मैमर्ज कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्क्स, गिल रोड, लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री मुखविन्दर सिंह पुत्र श्री कुपाल सिंह वासी मकान नं० 718, मुहल्ला चेत सिंह, नगर, लुधियाना । (अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है और जो गिल रोड लुधियाना में स्थित है ।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2212 मितम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल 1997

निदेश सं० एलडीएच/76/78—79—अतः मुझे नत्थु राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं फैंक्टरी बिल्डिंग नं० बी-23-847 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 2420 वर्ग गज है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र श्री मुकुन्दी लाल भारफत प्रवीन हौजरी, बी-6-234, कुच्चा नं० 3, माधोपुरी, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री बनवारी लाल बहल पुत्र रत्ना राम बहल, बी-6-1390 चौड़ी गड्ढा, हौजरी कमीशन अर्जेंटम, नजदीक अक्की बाई हस्पताल, लुधियाना (अन्तरिती)

3. श्री मेहर चन्द पुत्र श्री मेना राम, 275, इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कश्मीरा मिश्र भारफत एम० के० बन्डरफूल हौजरी भिल्ल, कुच्चा नं० 3, माधोपुरी, लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराक्षेपण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैंक्टरी बिल्डिंग नं० 275 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 2420 वर्ग गज है और जो इंडस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2105, अगस्त, 1978 में दर्ज है)।

नत्थु राम

सक्षम प्राधिकारी

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० एलडीएच०/105/78-79—अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव जमालपुर अवाना तह० व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न हो किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति हरनाम कौर विधावा श्री शाम सिंह, गांव नरंगवाल तहसील व जिला लुधियाना द्वारा श्री अमरजीत सिंह गरेवाल, वकील पुत्र श्री गुरदीप सिंह, 407, गाडल टाउन, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री जंग सिंह पुत्र श्री सुखर सिंह, गांव जमाल पुर अवाना तहसील व जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है और जो गांव जमालपुर अवाना, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विवेक संख्या 2482 सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना,

दिनांक 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० एलडीएच/106/78-79—अतः मुझे नत्थू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले
है तथा जो गांव जमालपुर अवाना तहसील लुधियाना में स्थित
है (और इसमें पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमति हरनाम कौर विधवा श्री शाम सिंह, गांव
नरगवाल तहसील व जिला लुधियाना द्वारा श्री अमरजीत
सिंह गग्गवाल, वकील पुत्र श्री गुरदीप सिंह, 407-माडल
टाऊन, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री जंग सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, गांव जमालपुर
अवाना, तहसील व जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है और
जो गांव जमालपुर अवाना, तहसील व जिला लुधियाना।

(जावेद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के त्रिलेख संख्या 2499, सितम्बर, 1978 में
दर्ज है)।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० एलडीएच/107/78-79—अतः मुझे नत्थू
राम।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 40-डी, जिसका क्षेत्रफल 978
वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का,
16) के अधीन, दिनांक मितम्बर, 78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिमो धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. रामचरन सिंह, पुत्र हरनाम सिंह वासी 202
संक्टर 33-ए, चडीगढ़ (अन्तरक)

2. सर्वश्री चरनजीत सिंह, जगजीत सिंह पुत्र गुरनाम
सिंह पुत्र श्री बरयाम सिंह वासी कुचा नं० 13 फिलडगंज,
लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 40-डी, जिसका क्षेत्रफल 978 वर्ग गज है
और जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विवेक संख्या 2516, मितम्बर, 1978 में
दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल 1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना,

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० एलडीएच/आर/82/78-79-अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है तथा जो गांव एम० भूमाता तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 78 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री महेशी पुत्र श्री बच्चना वासी गांव भूमाता अन्न घनैन, तहसील व जिला लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री भाग सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह वासी गांव घनैन तहसील व जिला लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिजबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

यमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है और जो गांव भूमाता व जिला लुधियाना में स्थित है ।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3921, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल, 1979

निदेश सं० एलडीएच/आर/85/78-79—अतः मुझे
नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 85-आई०, जिसका क्षेत्रफल
847 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर (गांव
सुनेत), लुधियाना, में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

1. श्री सारा सह पुत्र ताहर सिंह पुत्र चेत सिंह वासी
गांव सुनेत तहसील व जिला लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री भारत भूषण पुत्र शोम प्रकाश पुत्र कौर सैन
व श्रीमति संतोष रानी परनी श्री शोम प्रकाश भारफत
जिन्दल इंडस्ट्रीज, एच० 2 टैक्सटाइल कालोनी, इंडस्ट्रियल
एरिया 'ए', लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरु करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 85-आई०, करतार सिंह सराभा नगर (गांव
सुनेत), लुधियाना जिसका क्षेत्रफल 846 वर्ग गज है ।

(जायेदाद जैमाफि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4016 अगस्त, 1978 में
दर्ज है) ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 21 अप्रैल 1979

निदेश सं० सीएचडी/194/78-79—अतः मुझे नरधू
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 5, सैक्टर 27-सी,
जिसके प्लॉट का तथा जो क्षेत्रफल 123.75 वर्ग गज
चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माहू:—

2-56 GI/79

1. श्रीमति भगवान देवी पनि श्री मोहारी लाल कपूर
रिया, वासी मकान नं० 2079, सैक्टर 21-सी, चन्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री सेवक सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, सर्व श्री
रणधीर सिंह, मोहनबीर सिंह, जसबीर सिंह, रमनबीर सिंह
व तेजिन्दरबीर सिंह पुत्र श्री सेवक सिंह, वासी मकान नं०
115, सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

3. मैसर्स धारी शाह दी हट्टी, एस० जी० एफ० नं० 5
सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

2. श्री दलीप चन्द,

3. श्रीमति वीना मरवाह मारफत। फ्लोर एस० सी०
एफ नं० 5 सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति क अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद एस० सी० एफ० नं० 5, सैक्टर, 27-सी,
चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 328, अगस्त, 1978 में दर्ज
है)।

(नरधू राम)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक 21 अप्रैल, 1979।

सोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भाख्य सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 21 अप्रैल 1979

निदेश सं० सीएचडी/205/78—79—अतः मुझे नत्थू
 राम
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर
 सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं० जायेदाद एस० सी० ओ० नं० 266,
 सैक्टर, 35-डी जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 121 वर्ग गज
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
 कार्यालय, चन्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1978
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत
 से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरितों
 (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन्त-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ घन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
 निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री हंस राज पुत्र श्री राम सिंह,
 (2) श्रीमति शान्ति देवी पत्नि श्री हंस राज,
 द्वारा जनरल अटॉरनी श्री राम सरूप व श्री अशोक कुमार
 पुत्र श्री हंस राज, वासी 36-सी प्रहलाद नगर मेरठ
 शहर।

2. 1. लै० क० गुरप्रताप सिंह सेखों पुत्र स्व० क०
 रनबीर सिंह,
 (2) के० सरखजीत सिंह सेखों पुत्र लै० क० गुर-
 प्रताप सिंह,
 (3) कंवर प्रताप सिंह सेखों (माईनर) व
 (4) भगवान प्रताप सिंह (माईनर) पुत्र श्री सरख-
 जीत सिंह,
 (5) श्रीमति राजिन्दर कौर पत्नि लै० क० गुर-
 प्रताप सिंह,
 (6) श्रीमति सीता सेखों पत्नि के० सरखजीत सिंह
 सेखों, वासी मनजीत इन्दरपुरा, फरीदकोट।
 (अन्तरितों)

3. श्री नरेश कुमार उप्पल, मालिक मसर्ज उप्पल जनरल
 सटोर, एस० सी० ओ० नं० 266, सैक्टर, 35-डी, चन्डी-
 गढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के घन्तरण के संबंध में कोई भी धार्शेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद एस० सी० ओ० नं० 266-सैक्टर 35-डी,
 चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
 के कार्यालय के विलेख सं० 458, अगस्त, 1978 में दर्ज)

नत्थू राम,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन, रेंज, लुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैल, 1979
 मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश सं० पीटीए/99/78—79—अतः मुझे नत्थू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसी सं० कोठी नं० 7708/5, भूपिन्दर नगर रोड,
है तथा जो पटियाला में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के
कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उक्त बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कमान्डर हरदेव सिंह पुत्र श्री परह्लाद सिंह वासी
एस-260, पंज शील पार्क, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमति हरिन्दर कौर अमरजीत सिंह पुत्र डा०
बलवीर सिंह वासी बूलापूर तहसील मलेरकोटला
(अन्तरिती)

3. श्री (डा०) सुखदेव सिंह वासी कोठी नं० 7708/5;
भूपिन्दर नगर रोड, पटियाला (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 7708/5, भूपिन्दर नगर रोड, पटियाला।
(जाबेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के खिलेख संख्या 2579, अगस्त 1979 में दर्ज है।)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 26 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 नवम्बर 1978

निदेश सं० बी० जी० आर०/डी० एल० आई०/21/78-79
अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियां

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और ज़िम्मेदार सं० प्लॉट नं० 54-ए डी० एल० आफ इन्ड-
स्ट्रियल एरिया है तथा जो फरीदाबाद नं० 1 में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री नरिन्द्र सिंह, शमिन्द्र सिंह, अपमिन्द्र सिंह
एवं गुरचरण कौर निवासी ई-10, ईस्ट आफ कैलाश,
नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. मैसर्स जैन सन इन्जीनियरज (प्रा०) लि०, रजि०
आफिस जे०-2, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 54 ए जिसका क्षेत्रफल 4066 वर्ग गज
और जो ड० ल० फ० इन्डस्ट्रीयल एरिया नं० 1, फरीदा-
बाद में स्थित है। "सम्पत्ति जैसे की रजिस्ट्रेशन नं० 411
में दी गई है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के
कार्यालय में 11-8-1978 को लिखा गया।"

रवीन्द्र कुमार पठानियां
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, रोहतक।

तारीख : 20-11-1978

मोहूर :

प्रकाश आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 20 नवम्बर, 1978

अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियाँ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रोड, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीघा 18 बिसवा है तथा जो पट्टी राजपूतन, पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. (1) श्रीमती बिमला चौधरी, विधवा श्री लछमन दास।

(2) श्रीमती निधि चौधरी पुत्री श्री लक्ष्मन दास, निवासी 188, माडल टाउन, पानीपत। (अन्तरक)।

2. (1) श्री राम नारायण पुत्र श्री शिवधन मल
(2) श्रीमती सावित्री देवी पुत्री श्री राम नारायण

(3) श्री लक्ष्मी चन्द पुत्र श्री नेकी राम मार्फत जनरल मॉटल इण्डस्ट्रीज, रेलवे रोड, पानीपत। (अन्तरित)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीघे 18 बिसवे है तथा जो पट्टी राजपूतन पानीपत में स्थित है। (सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2487 मास सितम्बर, 78 पर दर्ज है)।

रवीन्द्र कुमार पठानियाँ
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक।

तारीख : 2 1 - 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० एस० पी० टी० 3/78-79—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका रकबा 29 कनाल 14 मरले
है तथा जो ग्राम कुडली, तहसील सोनीपत में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाभेद अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. सर्वश्री भगवाना, हुली चन्द, कांशी राम, पुतान
श्री राम देवी पुत्री श्री हरि किशन पुत्र श्री खूबी जाट
निवासी ग्राम कुडली, तहसील सोनीपत। (अन्तरक)

2. मै० किन्जफोक इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि० 893,
बड़ा बाजार, तिलक गली, कश्मीरी गट, देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में यथा परिभाषित
है, वही भरण होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका रकबा 29 कनाल 14 मरले है तथा जो
जैन्ती रोड़, कुडली, तहसील सोनीपत और जो रजिस्ट्री-
कर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2611 मास
अगस्त, 78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, रोहतक।

तारीख: 25-1-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० एस० एन० पी०/4/78-79—अतः मूखे,
रवीन्द्र कुमार पठानियां,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 25 कनाल 13 मरले सहित बिल्डिंग, म्यूबवेल पर्मिंग सैट इत्यादि है तथा जो ग्राम कुण्डली, तहसील सोनीपत में स्थित है इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. सर्वश्री बलराज किशन, शादी लाल, आसा रतन, प्यारे लाय तथा चमन लाल, पुत्रान श्री उत्तम चन्द, निवासी मकान नं० 5/9 ए, रूप नगर, देहली। (अन्तरक)।

2. श्री कर्म चन्द गोयल पुत्र श्री पूर्ण चन्द गोयल मालिक मं० गोयल स्पनिंग एण्ड बीविंग मिल ग्राम रसोई डाकखाना नाभोपुर, जिला सोनीपत। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 25 कनाल 13 मरले सहित शैड, म्यूबवेल पर्मिंग सैट इत्यादि जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2878 मास सितम्बर, 78 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियां,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 25-1-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीशन रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निवेश सं० एस० आर० एम०/5/78-79—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानियां,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 197/बी०-I है तथा जो
नई मंडी, सिरसा में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए
वा या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्री कश्मीरी लाल, पुत्र श्री राम लाल निवासी
सिरसा। (अन्तरक)

2. श्री मतीश कुमार गुरेजा पुत्र श्री जय दियास
निवासी, मकान नं० 197/बी०-I, नई मंडी, सिरसा।
(अन्तरक)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि मकान नं० 197/बी०-I, नई मंडी
सिरसा है और जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय
में रजिस्ट्री क्रमांक 3225 तिथि 17-8-1978 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानियां,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 13-2-1979

मोहर:

प्रत्येक आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० बी० जी० आर०/13/78-79—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानियां निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त
अर्जुन रंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० बंगलो प्लॉट नं० 36, एन० एच०-2,
एन० आई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है,
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलबगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करणे या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय में किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः प्र०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नात :—

1. सर्वश्री श्रीम प्रकाश गुप्ता, आनन्द प्रकाश गुप्ता,
रामेश्वर प्रकाश गुप्ता तथा मदन जी गुप्ता पुत्रान श्री शुभन
चन्द गुप्ता निवासी 28 ए, कमला नगर, देहली। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती पुष्पा गांधी पत्नी श्री प्रीतम लाल
गांधी।

(2) श्री नरेण कुमार पुत्र श्री टेक चन्द निवासी
मकान नं० 2-एम०/67, एन० आई० टी०, फरीदाबाद।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि बंगलो प्लॉट नं० 36, जिसका रकबा
694 वर्ग गज तथा जो एन० एच०-2 एन० आई० टी०,
फरीदाबाद में स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3272 मास अगस्त, 78
में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, रोहतक।

तारीख : 13-2-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निर्देश सं० एस० एन० पी०/9/78-79—अतः मुझे,

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि रकबा 40 कनाल है तथा जो ग्राम रसोई तहसील सोनीपत में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री देवी पुत्री श्री राम सिंह जाट निवासी ग्राम रसोई, तहसील सोनीपत हाल पत्नी श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री भरत सिंह, ग्राम पीपली, तहसील सोनीपत। (अन्तरक)

2. श्री मतीश कुमार गोयल पुत्र श्री कर्म चन्द गोयल निवासी गोविन्द पुरी, मोदीनगर (यू० पी०)। (अन्तरिती)

3. श्री मुरजीत कुमार जैन, 2195, धर्मपुरा, चांदनी चौक, देहली।

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 40 कनाल जो कि ग्राम रसोई तहसील सोनीपत में स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3433 तिथि 27-10-1978 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-2-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/18—यत सुझे,
एम० के० धर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि
द्वारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 9 शैड्स और 1/2 भाग डियोडी में है तथा
जो कि बडाली गुरु अरबन में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11
अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री हंसराज पुत्र श्री शंभु नाथ कपूर निवासी
इस्लामाबाद, अमृतसर। (अन्तरक)

2 श्री करतार सिंह पुत्र सरदास सुरठा सिंह निवासी
गांव बोहक, तहसील और जिला अमृतसर। (अन्तरिती)।

3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो
ता। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)।

4 यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदाहरणों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही प्रबल होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसमें छ मिंगल शैड, एक दोहरा शैड,
दो दुकानें और 1/2 भाग डियोडी में जैसा कि फार्म 37-
जी० में है (9 शैड्स और 1/2 भाग डियोडी (कोरीडोर)
जैसा कि दफ्तर के अधिकारी ने मौन पर पाया) जिसका
क्षेत्रफल 45803 वर्ग मी० है भिन जुमला खमरा नं०
1052 जो कि बडाली गुरु अरबन म्युनिमिपल कारपोरेशन,
अमृतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 3062 दिनांक
11-8-1978 आफ रजिस्ट्रींग अथारटी अमृतसर के कार्यालय
में दर्ज है।

एम० के० धर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज अमृतसर।

तारीख: 24-4-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/91—यत मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/10 भाग एक इमारत का जिसका न० 14/4-1 है तथा जो कि चौक पामिया, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरकों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन लाल पुत्र श्री मुनी लाल निवासी हाल बाजार द्वारा ईस्ट इण्डिया प्रैम, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश गुलाटी पत्नी श्री मनोहर गुलाटी निवासी 13/1 रानी-का-बाग, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वधोकरण --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/10 भाग एक इमारत का मसूमा लक्ष्मी मार्केट नं० 14/4-1, 257, 259, 255, 778/4, 970 और 972/11 मिन 973 1/2 मिन 7/4-1, 896, 780/11-7 और नं० 8/4 और नं० 1255 खाना सुमारी जो कि गुरु बाजार, चौक पामिया, बाजार बडियां (जिसका एरिया 38 मरला मी०) है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 2406/1 तिथि 29-9-78 आफ रजिस्ट्रींग अधास्टी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,

मक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख : 24-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/20—यतः मुं०, एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिनकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है तथा जो कि महमूद नगर तहसील अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री निशान सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह निवासी गांव चीचा तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री धर्म सिंह पुत्र श्री गण्डा हिग निवासी गांव हमीदपुरा, तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संगति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संगति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्षणवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पन्ध्रवें में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है किला नं० 22/7, 8/2, 15, 23/9, 10, 11, 12, 13, मिन 23/1/2 मिन जो कि महमूद नगर तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3098 दिनांक 18-8-78 आफ रजिस्ट्रींग अथार्टी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 26-4-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/टी० टी०/79-80/21—

यतः मुझे, एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 85 कनाल 10 मरले है तथा जो कि गांव बिहानीपुर तहसील तरन तारन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18 अगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित आदेशों, जारी करता हूँ :—

1. श्री मन्तोख सिंह पुत्र सरदार उत्तम सिंह निवासी गांव तारागढ़ तहसील व जिला अमृतसर । (अन्तरक)

2. सर्वश्री सकुत्तर सिंह, निर्मल सिंह, दलवीर सिंह, जगतार सिंह और जोगिन्द्र सिंह पुत्रान बन्ता सिंह पुत्र झंझा सिंह गांव होठियां तहसील तरन-तारन जिला अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4 यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 85 कनाल 10 मरले है जो कि गांव बिहानी पुर, तहसील तरन-तारन (अमृतसर) में है खाता खतौनी नं० 58/142-57/140 जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 3905 दिनांक 18-8-78 आफ रजिस्ट्रींग अधारिटी तरन-तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर० /79-80/22--यतः मुझे
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लॉट है तथा जो कि
गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपलब्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908-
का 16) के अधीन, तारीख 10 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थित :—

1 श्री नरिन्द्र नाथ पुत्र श्री कृपा नाथ निवासी गुरदासपुर।
(अन्तरक)

2 श्रीमती उषा कुमारी पत्नी श्री जनक राज और
जनक राज पुत्र फतह चन्द निवासी गुरदासपुर (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 46×47 फुट
(240 वर्ग गज) खसरा नं० 982 जो कि गुरदासपुर में
स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० 3689 दिनांक 10-
8-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारिटी गुरदासपुर के कार्यालय में
दर्ज है।

एम० के० धर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28-3-1979

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th April 1979

No. O.II-20/76-Estt.—Consequent on his appointment as D.I.G. in the B.S.F., Shri W. G. J. Mudaliar IPS (Rajasthan—1955) D.I.G., (on leave) stands relieved from CRPF w.e.f. the forenoon of 15th March 1979.

The 21st April 1979

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) Mangala Rajan as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 5-2-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1435/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. K. Goswami (Retd) as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Lt. Col. K. Goswami took over charge of the post of Asstt. Director (Works) in the Dte. Genl. CRPF, New Delhi on the forenoon of 3rd April, 1979.

No. O.II-1045/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from 24-3-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 23rd April 1979

No. O.II-126/72-Estt.—Consequent on the expiry of term of re-employment in the CRPF, Major B. K. Sobti relinquish charge of the post of Commandant Signals Group Centre, CRPF, Neemuch on the afternoon of 1st April, 1979.

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr (Mis) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 28-2-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O.II-1436/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Col. Y. C. Chopra (Retd) as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Col. Y. C. Chopra took over charge of the post of Principal CTC I, CRPF, Neemuch on the afternoon of 30th March, 1979.

The 24th April 1979

No. O.II-1434/79-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Y. N. Saxena, an IPS officer of U.P. Cadre as D.I.G. in the CRP Force.

2. Shri Saxena took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Hyderabad on the forenoon of 4th April, 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 17th April 1979

No. L-32015(1)/5/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri Amalendu Chattopadhyay, Asstt. Fire Officer, Gauhati Air Port, Gauhati, as Asstt. Commandant (Fire) in the Central Industrial Security Force, in a temporary capa-

city with effect from the forenoon of 6th April, 1979 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE
Inspector-General/CISF.MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the May 1979

No. 23/3/79-CPF.—The All-India consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by three points to reach 332 (three hundred and thirty two) during the month of March, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of March, 1979 works out to 404 (four hundred and four).

T. SINGH,
Deputy Director,MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 19th April 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/78 dated 19-12-78, the ad-hoc appointment of Shri G. L. Damor as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of two months with effect from 19-4-79.

The 20th April 1979

F. No. BNP/C/5/79.—Shri H. R. Sharma, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on ad-hoc basis in short term leave vacancy with effect from 3-4-1979 (F.N.) to 10th June 1979 (A.N.).

P. S. SHIVARAM,
General Manager.OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, N. R. RAIL-
WAY

Gauhati, the 2nd March 1979

No. 316.—Shri M. N. Roychoudhury, an officiating Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, is appointed in a substantive capacity in the same scale with effect from 1-4-78 against a permanent post sanctioned by the CAG of India by conversion of one post of Audit Officer into permanent one, vide his letter No. 3970-GFI/44-78 dt. 30-12-78.

A. KRISHNAN
Chief Auditor.OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 19th April 1979

No. 265/A-Admn/130/79.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri A. I. K. Oberoi, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut, with effect from 29-3-79 (FN) until further orders.

No. 266/A-Admn/130/79.—Shri S. N. Mehrotra, officiating Audit Officer, in the office of the Senior Deputy Director of Audit, Defence Services, C/C Meerut, passed away on 23-2-1979.

K. B. DASS BHOWMIK,
Joint Director

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT
FACTORIES

Calcutta, the 7th February, 1979

No. 1/79/A/M.—The President is pleased to appoint the following Permanent Asstt. Medical Officers as officiating Sr. Medical Officers in Ordnance Factory, Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders :

Sl. No.	Name	Posted at	Date
1.	Dr. Mrs. B. Sarkar	Ordnance Factory, Kanpur.	29-6-78 (Retired on 31-8-78)
2.	Dr. B. N. Sen	Ordnance Factory, Varangaon.	29-6-78
3.	Dr. D. K. Sanyal	Cordite Factory, Aruvankadu.	29-6-78
4.	Dr. A. R. Chattapadhyay	Ordnance Factory, Ambarnath.	29-6-78
5.	Dr. S. K. Bhattacharya	Ordnance Factory, Bhandara.	29-6-78
6.	Dr. Miss. J. R. Barua	Ordnance Factory, Muradnagar.	29-6-78
7.	Dr. R. K. Paul	Ordnance Factory, Katni.	29-6-78
8.	Dr. P. G. Sarkar	Ordnance Factory, Tiruchirapalli.	29-6-78
9.	Dr. Priyakesh Mukherjee	Ordnance Factory, Dehra Dun.	29-6-78
10.	Dr. K. B. Das Gupta	Ordnance Factory, Kanpur.	15-9-78
11.	Dr. S. K. Majumdar	Gun Carriage Factory, Jabalpur.	1-7-78
12.	Dr. M. G. Chakraborty	Ordnance Factory, Ambajhari.	24-7-78
13.	Dr. Km. K. Subaiya	Vehicle Factory, Jabalpur.	15-10-78

Lt. Col. K. BHATTACHARYYA
 Dy. Director of Health Services
For Director General
Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 20th April 1979
 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
 (ESTABLISHMENT)

No. 6/1204/77-Admn(G)/2962.—On attaining the age of superannuation, Shri Ajbaney Doolah an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of the Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st March, 1979.

The 21st April 1979

No. 6/632/61-Admn(G)/3002.—The President is pleased to appoint Shri C. S. Arya, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months w.e.f. 1st February, 1979 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri Arya as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office for the aforesaid period.

4—56GI/79

No. 6/611/60-Admn(G)/3012.—The President is pleased to appoint Shri T. J. Stephen, a Permanent Officer of the Section Officer's Grade of CSS to officiate in Grade I of the Service with effect from the forenoon of the 18th December 1978 until further orders.

2. The President is also pleased to appoint Shri Stephen as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the same date.

RAJINDER SINGH
 Dy. Chief Controller of Imports and Exports.
for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 18th April 1979

No. A-19018(146)/74-Admn.(G).—Consequent on her appointment as Deputy Director (Planning and Development) in the Directorate of Oil Seeds Development, Hyderabad, Smt. Madhuri Sarin, a Grade III Officer of the I.E.S. relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Hyderabad, on the afternoon of 22nd January, 1979.

M. P. GUPTA.
 Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
 Bombay-20, the 21st April 1979

No. 18(1)/77-CLB II.—In exercise of the power conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Power-looms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)67-CLBII/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 2 the existing entry under column 2 shall be substituted by the following, namely :—

- (i) The Director of Industries, Patna.
 (ii) Director (Handloom & Sericulture)."

The 23rd April 1979

No. C.L.B.I./1/6-G/79.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said notification against S. No 2 for the existing entries in columns 2, 3 & 4, the following shall be substituted namely :—

1	2	3	4	
(i) Textile Controller, Bihar	}	Bihar	}	12 (6), 12 (6A), 12 (7A), 12 (7AA) 12C & 12E-
(ii) Director of Industries, Patna				
(ii) Director (Hand- loom and Sericulture) Bihar, Patna.				

G. S. BHARGAVA
 Joint Textile Commissioner

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 12th April 1979

No. A-17011/149/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri S. C. Kohli, Examiner of Stores (Tex.) in the Northern Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi with effect from 23rd March 1979 purely on ad-hoc basis and until further orders.

No. A6/247(479)/64-III.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. S. Dubey, Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group A Met. Branch) in the office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur under this Directorate General w.e.f. the afternoon of the 1st September, 1978.

P. D. SETH,

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 19th April 1979

No. A-1/1(224).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Bhandari, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service), to officiate as Additional Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 4th April, 1979 and until further orders.

K. KISHORF

Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES**DEPARTMENT OF MINES****GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 19th April 1979

No. 2028BA-19012(6-CLVRA)/19B.—Shri C. L. V. R. Anjaneyulu has been released on resignation from the post of Shift Boss in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 31st July, 1976, for joining the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines.

V. S. KRISHNASWAMY,

Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th April 1979

No. A-19011(122)/75-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, Dr. K. K. Chatterjee, Asstt. Mineral Economist (Int.) to the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 15-3-1979. (afternoon).

No. A-19011(61)/78-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Dr. S. P. Deshpande, Deputy Ore Dressing Officer to the post of Supdtg. Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 15th March, 1970.

The 21st April 1979

No. A.19011(73)/78-Estt.A.—On the recommendation of Department Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri N. R. Gupta, Deputy Mineral Economist (I) to the post of Mineral Economist (Int) in Indian Bureau

of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 12-3-79.

No. A.19011(36)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri R. Namasivayam, Publication Officer to the post of Asstt. Director (Publication) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12-3-79.

S. BALAGOPAL

Head of Office

SURVEY OF INDIA,**SURVEYOR GENERAL'S OFFICE**

Dehra Dun, the 19th April 1979

No. E1.5479/913-H.—Shri R. K. Chamoli who has been officiating in the post of Hindi Officer (Group 'B' post) in the Survey of India on ad hoc basis with effect from 17-3-73 vide this office Notification No. E1-4599/913-H dated 23-3-1973 issued under No. P1-10061/913-H dated 23-3-1973, is appointed to officiate as such on regular basis w.e.f. 2-2-1979 (FN) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. C-5480/PF(KR).—As a result of disciplinary action under the C.C.S. (CC&A) Rules, 1955 Shri Kishan Ram, Officer Surveyor, Survey of India is reduced to a lower post of Surveyor (Selection Grade) in Group 'C' Service, Survey of India with a pay to be initially fixed at the minimum of the time scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 for a period of two years, with effect from the 12th January 1979 with further directions that on expiry of the said period of two years he shall automatically be restored to the post of Officer Surveyor in the Survey of India Class II (now Group 'B') Service and shall be given the same seniority as he holds now and his pay shall be fixed adding the number of increments that may accrue to him during the said period of two years.

No. C-5481/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on *ad-hoc* provisional basis :—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	With effect from
1.	Shri A. P. Semwal, Draftsman Div. I, Sel. Gde.	No. 1 Drawing Office (MPDte), Dehra Dun.	9-3-1979 (F.N.)
2.	Shri Prem Nath, Draftsman Div. I, Sel. Gde.	No. 9 Drawing Office (NWC), Chandigarh.	9-3-1979 (F.N.)
3.	Shri D. P. Badoni, Surveyor Sel. Gde.	South Eastern Circle Office, Bhubaneswar.	12-3-1979 (F.N.)

The 23rd April 1979

No. C-5482/594.—Shri Rama Nand Technical Assistant, Sel. Gde. is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 2nd March 1979 (F.N.).

No. C-5483/718-A.—Shri J. K. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in North Western Circle Office, Survey of India, Chandigarh on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th March 1979 (F.N.) *vice* Shri Sarup Singh, Establishment and Accounts Officer retired on 31-1-79 (A.N.).

No. C-5484/718-A.—The *ad-hoc* appointment of Shri Lakshmi Chandra as Establishment and Accounts Officer in Map Publication Directorate with effect from 27th November 1978 (F.N.) for 45 days in the leave vacancies of Sarva Shri C. S. Saksena and S. D. Kararia vide this office Notification No. C-5450/718-A. dated the 21st December 1978 is extended for a further period of 19 days from 13-1-79 to 31-1-79 *vice* Shri S. D. Kararia, Establishment and Accounts Officer extended his leave on medical ground.

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1979

No. 31/3/78-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri P. N. Mishra, Field Reporter, All India Radio, New Delhi to officiate as Extension Officer, All India Radio, New Delhi on a purely *ad-hoc* basis with effect from 20-3-79 until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi the 20th April 1979

No. 10/12/79-SIII.—The Director General All India Radio is pleased to appoint Shri V. G. K. Murthy, of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at Doordarshan Kendra, Delhi with effect from 27-2-79 (F.N.).

No. 10/16/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ved Vrat Sharma of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at Doordarshan Kendra Delhi with effect from 28-2-79 (F/N) till further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 18th April 1979

No. 6(129)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. K. Shome, Transmission Executive, All India Radio, Gauhati as Programme Executive, All India Radio, Silchar in a temporary capacity with effect from 28th February, 1979 until further orders.

The 19th April 1979

No. 6(3)/63-SI.—On attaining the age of superannuation Shri A. P. Bhaumik, Programme Executive, All India Radio, Gauhati retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1979.

O. B. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th April 1979

No. A. 31014/6/77-(AIIPMR)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Chainani to the post of Chief, Physiotherapy Department, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay in a substantive capacity with effect from the 10th August, 1976.

No. A. 35014/3/77-(NTI) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Y. Vijaya Simha, Section Officer of the C.S.S. belonging to the cadre

of the Ministry of Information and Broadcasting to the post of Administrative Officer, National Tuberculosis Institute, Bangalore, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 15th March, 1979, and until further orders.

The 21st April 1979

No. A. 19019/34/76(FRSL)/Admn. I.—Consequent on his resignation Dr. P. K. Jaiswal relinquished charge of the post of Senior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad in the afternoon of 27th February, 1979.

The 23rd April 1979

No. 17-22/75-Admn. I.—While proceeding on assignment with the U.N.C.T.A.D. Secretariat by availing of extraordinary leave Dr. S. S. Gothoskar resumed charge of the post of Drugs Controller (India), Directorate General of Health Services on the afternoon of the 30th December, 1978.

2. On return from U.N.C.T.A.D. assignment and extraordinary leave Dr. S. S. Gothoskar resumed charge of the post of Drugs Controller (India), Directorate General of Health Services on the fore-noon of the 2nd April, 1979.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th April 1979

No. A-19023/4/79-A.III.—Shri M. Reddiah, A.M.O., is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) at Guntur w.e.f. 29-3-1979 (F.N.) on short term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Reddiah relinquished charge of the post of A.M.O. at Anaparti in the forenoon of 26-3-1979.

The 21st April 1979

No. A-39013/1/79-A.III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him, Shri M. L. Saha, relinquished charge of the post of A.M.O. in this Directorate at Madras w.e.f. 31-3-1979 (A.N.).

The 23rd April 1979

No. A-19024/8/78-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri C. S. Sharma, Chief Chemist, Regional Agmark Laboratory, Guntur, retired from Government service w.e.f. 31-3-1979 (A.N.).

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 21st April 1979

No. 4-3/79-Adm.—Shri S. D. Joshi, Assistant Conservator of Forests, Maharashtra State (East Chanda Division) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Pre-investment Survey of Forests Resources, Central Zone, Nagpur on deputation basis w.e.f. 26th March, 1979 (F.N.) until further orders.

C. L. BHATIA
Chief Coordinator

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-85, the 17th April 1979

No. R 1797/RMD/Estt./1675.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Maganty Venkata Krishna Rao, a temporary Scientific Officer Grade SB in the same Research Centre with effect from 28-9-1978 AN.

V. M. KHAIU
Dy. Establishment Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT**

Narora-202397, the 16th February 1979

No. NAPP/Adm 1(110)/79/S. 1907.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project Appoints Shri S. C. Jain a Substantive Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division Pool and officiating Assistant Accountant of Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of January 31, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 18th April 1979

No. DPS 2 1(19)/77-Adm/11383.—In continuation of this Directorate Notification of even No dated September 26, 1978, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-1 B-35-880-40-1000-1 B-40-1200 for a further period upto 22-2-79 (A.N.)

Ref. DPS/2 1(16)/77-Adm/11389.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 1, 1978, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Parani Kizhak-kadan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto 13-2-1979 AN.

The 19th April 1979

No. DPS 2/1(1)/77-Adm/11553.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated July 10, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Nayyar, Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on *ad-hoc* basis for a further period upto February 26, 1979 (EN).

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

**DEPARTMENT OF SPACE
CIVIL ENGINEERING DIVISION**

Bangalore-560025, the 22nd March 1979

No. 10 7(192) 73-CED(H) —Whereas Shri K. Thiagarajan who is employed as Engineer SB in the Civil Engineering Division of the Department of Space has absented himself from duty with effect from the 27th January 1978.

AND whereas the present whereabouts of the above person are not known.

AND whereas the undersigned, as the disciplinary authority is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry as prescribed under the Department of Space Employees' (Classification, Control & Appeal) Rules 1976 and had provisionally come to the conclusion that his service should be terminated and had accordingly notified in the Press *vide* Notification No. 10 7(192/73-CED(H)), dated 23-8-1978 which had been published in "The Hindu", Madras on the 11th September 1978 and had also served the said notification on the above person by registered post A.D. to the last known address of said Shri Thiagarajan and the said notification had been received by Smt. S. Saroja on 30th August, 1978 for and on behalf of the said Shri K. Thiagarajan and by virtue of the said notification Shri Thiagarajan was directed to report to the undersigned within a fortnight from the date of publication of the notification and to state why the penalty of dismissal from service should not be imposed.

AND now that Shri Thiagarajan has failed to avail the opportunity offered to him to report and to represent against the action proposed and communicated to him.

Now, therefore, the undersigned as the Disciplinary Authority and the Appointing Authority is pleased to order the dismissal from service of the said Shri K. Thiagarajan from the post of Engineer SB in Civil Engineering Division of Department of Space with effect from the forenoon of January 27, 1978.

R. D. JOHN
Chief Engineer

Bangalore-568025, the 7th February 1979

No. 10/5(20)/78-CED (II).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space to posts as indicated against each with effect from the afternoon of September 30, 1978 in an officiating capacity and until further orders.—

Sl. No.	Name	Post & grade from which promoted.	Post & Grade to which promoted
1.	Shri Y.K. Viswanathan	Tech. Asstt. 'C'	Engineer SB
2.	Shri V.G. Gowrisankar	Foreman (Elec.)	Engineer SB

P.I.U. NAMBIAR
Administrative Officer-II

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 21st February, 1979

No. 020/3 (061)/A/79.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
1.	Shri R. Anbumani	Engineer SB	10-1-1979
2.	Shri Yateendra Mehta	Engineer SB	15-1-1979
3.	Shri Ashwani Kumar Ramani	Engineer SB	16-1-1979

The 23rd February 1979

No. 020/3(061) 79 —Director, ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from service of Shri Dinesh

Kumar Gupta from the post of Engineer 'SB' in ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space w.e.f. the 16th January 1979 (A.N.).

K. S. KRISHNAN
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A.32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. R. Chhabra, Communication Assistant Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. 19-2-79 (FN) to 15-3-79 *vice* Shri G. S. Vedi, Assistant Communication Officer proceeded on Hindi Training and to post him at the same station.

No. A-38012/1/79-EC.—The undermentioned three Assistant Communication Officers relinquished charge of office on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Station Of Posting	Date of retirement
1.	Shri A. K. Haldar	Aero. Com. St., Calcutta	31-12-78 (A.N.)
2.	Shri R. K. Mitra	Aero. Comm. Stn., Calcutta	31-12-78 (A.N.)
3.	Shri J. K. Routh	Aero. Comm. Stn., Calcutta	31-1-79 (A.N.)

The 16th April 1979

No. A.32013/4/77-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/4/77-EC, dated 16-11-78, the President is pleased to sanction continued ad-hoc appointment of Shri N. Munandy, Assistant Communication Officer in the office of the Regional Director, Madras to the grade of Communication Officer, beyond 26-3-79 and upto 26-9-79 or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

S. D. SHARMA
Dy. Director of Administration

New Delhi, the 19th April 1979

No. A-38013/1/79-EA.—Shri S. S. Pillai, Aerodrome Officer, Civil Aerodrome Trivandrum retired from Government service on the 31st March, 1979 (AN), on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, dated the 16th April 1979

No. 12/1/79-Est.—The following officiating Assistant Administrative Officers, are appointed as Assistant Administrative Officer in a substantive capacity in the post and with effect from the date indicated against each :—

Sl. No.	Name	Date of substantive appointment
1.	Shri T. B. S. Velu	1-7-1976
2.	Shri S. Das Gupta	1-9-1978
3.	Shri M. S. Mani	1-2-1979

S. SREENIVASACHAR
Director General.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 18th January 1979

No. 78/W6/TK/2.—The Ministry of Railways (Railway Board) hereby accord post-facto approval to the transfer of the maintenance of the following portion of track from the Central Railway to the Northern Railway alongwith all connected assets :—

"The track from Kms. 1515.00 to 1518.61 between Tughlakabad and Delhi on Delhi-Mathura section. The inter-railway boundary limit would now be Km. 1515.00"

P. N. MOHILE
Secretary, Railway Board
Ex-officio Jt. Secretary

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kulam Hussain Allibhoy & Sons Private Limited*

Bombay, the 4th April 1979

No. 1857/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kulam Hussain Allibhoy & Sons Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Devidas Private Limited*

Bombay, the 4th April 1979

No. 3700/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Devidas Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA
Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Satkar Finance Private Limited*

Jullundur, the 20th April 1979

No. G./Stat/560/528.— Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Satkar Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited*

Jullundur, the 19th April 1979

No. G./Stat/560/516.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Gulnar Financiers & Chit Fund Private Limited*

Jullundur, the 19th April 1979

No. G./Stat/560/518.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gulnar Financiers & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited*

Jullundur, the 24th April 1979

No. G./Stat/560/3122/723.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1976, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Himachal Films Limited*

Jullundur, the 24th April 1979

No. G./Stat/560/3014/725.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Himachal Films Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Coronation Woollen and Steel Industries Private Limited*

Jullundur, the 24th April 1979

No. G./Stat/560/3212/727.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Coronation Woollen and Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Alok Finance Private Limited, Indore*

Gwalior, the 23rd April 1979

No. 1097/Liqn/C.P./341.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Alok Finance Private Limited, Indore has been ordered to be wound up by an order dated 16-2-1972 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Bombay, the 30th March, 1979

No. 928.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of the I.T. Act, 1961 (Act. 43 of 1961), I, Shri V. D. Sonde, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to Officiate as Income-tax Officer Class-II with effect from the dates shown against their names and until further orders :—

S/Shri

(1) A. R. Jadhav	Inspector	16-2-79 (F.N.)
(2) V. Z. Raut	"	15-2-79 (A.N.)
(3) M. J. Borde	"	15-2-79 (F.N.)
(4) Y. A. Sonavane	"	16-2-79 (F.N.)
(5) C. S. Jambhore	"	16-2-79 (F.N.)
(6) S. R. Tambe	"	16-2-79 (A.N.)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

V. D. SONDE
Commissioner of Income-tax
Bombay City-I, Bombay

INCOME TAX DEPARTMENT

Pune, the 20th March 1979

No. 1.—The following Officers are hereby confirmed as Income-tax Officers, Group 'B' (Class II) with effect from the dates shown against them.

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which confirmed
1	2	3
	S/Shri	
1.	R. D. Javir	6-10-1975
2.	V. R. Lokur	6-10-1975
3.	S. Y. Patil	6-10-1975
4.	V. S. Shikarpur	6-10-1975
5.	N. S. Mahajan	6-10-1975

1	2	3
6.	M. D. Phandis	1-4-1977
7.	N. G. Thite	22-7-1977
8.	V. S. Chirmade	1-9-1978
9.	P. N. Kedar	1-10-1978

2. The dates of confirmation are subject to modification at a later date, if found necessary.

Income-tax Establishment

No. 2.—Shri Hans Raj Arya is hereby confirmed as Income-tax Officer, Group 'B' (Class II) with effect from 17-3-1979.

2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if found necessary.

P. S. BHASKARAN
Commissioner of Income-tax,
Pune-I, Pune.

FORM ITNS—

(1) Shrimati Ved Prabha Wadhwa wife of Late Shri G. L. Wadhwa, Resident of House No 156/15 Jacum Pura, Gurgaon (Harvana).

(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar Budhiraja son of Shri Sita Ram Budhiraja
Resident of D-6/14 Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th April 1979

No. IAC Acq.I/S.R.III/Aug.22/1978-79 —Whereas I, Miss Anjani Oza,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-6/14 situated at Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property No. D-6/14 measuring 400 sq. yards together with a single storeyed structure with a mummy at the first floor, situated at Vasant Vihar, New Delhi and bounded as under :—

North : 15' wide service road,

South : Plot No. 15

East : Street No. D-6

West : 15' Wide Service Road.

MISS ANJANI OZA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 9-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D. L. F. UNITED LIMITED,
21-22 Nurindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh Gupta son of Lala Matu Ram
Resident of E-108 Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th April 1979

No. IAC Acq.I/S.A.III/Aug.II(61/1978-79/609.—Whereas
I, Miss Anjani Oza,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

at Flat No. 204, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-
II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 19-8-1978,
which is less than the fair market value of the aforesaid prop-
erty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

15—56GL/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 204 (2nd Floor) measuring 488.6 sq.
ft Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 12-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th April 1979

No. IAC Acq. I/S.R.III/Aug.88/1978-79/617.—Whereas I, Miss Anjani Oza,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Office Flat No. 301 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. L. F. United Limited,
21-22 Narindra Place, Parliament Street, New Delhi
(Transferor)
- (2) Shrimati Basanti wife of Maj. Gen. Daryao Singh
Rajinder Deswal son of Maj. Gen. Daryao Singh
Resident of House No. 118 Sector 8 Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 301 (3rd Floor) measuring 549.1 sq. ft. situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 12-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 674-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mrt. on 8-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Smt. Laxmi Devi w/o Shyam Kishore r/o 1030, Brahmampuri, Meerut.
(Transferor)

2. S/Shri Ram Bux Pijar Pherumal, Rakesh Kumar Pissar Ram Bux r/o Sarai Laldas, Distt. Meerut.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1030 Brahmampuri, Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 78,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-4-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 739-A/G.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 1-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Shri Governor U.P. Govt. through Joint Secretary Government Industries Department, U.P., Lucknow.
(Transferor)
2. S/Shri U.P. Handloom Corpn. Regd. Office, B-25, Sarvodayanagar, Kanpur through S. M. Srivastava, Joint Secretary and A. P. Singh, Managing Director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1589.30 sq. meter or 1900 sq. yd. situated at village Pilkhua Distt. Gaziabad Maruf Pilkhua Dye House Bamaya Julma Machinery and plot sold for an apparent consideration of Rs. 84,201.86 the fair market value of which has been determined at Rs. 218,300/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

1 S/Shri Mohindra Singh s/o Amin Singh r/o Ahmad nagar Tauli, Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2 S/Shri Nanak Chand s/o Umrao Singh, Om Prakash, Ramesh s/o Kaheta, Pyarey s/o Pusaram and others r/o Ahmadnagar Tauli, Bulandshahar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 11th April 1979

Ref No 748-A—Whereas, I, B C CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupshahar on 9-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring one bigha five Biswa situated at Deokaranpur sold for an apparent consideration of Rs. 74,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 90,000 -

B C CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 11-4-79
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 651-A/Saharanpur/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule, situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 11-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Ramkali w/o Dharam Singh r/o Nurnagar, Tah. & Distt. Muzaffarnagar, Smt. Risali w/o Dalmir, Smt. Sultani w/o Lala r/o Timola Pargana Maket, Tah. Roorkee.

(Transferors)

2. S/Shri Bahal Girwar, Jagat Singh, Dalam Singh sons of Balwant Singh s/o Nurnagar Pargana Parachdar Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Nurnagar sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 70,600/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 11-4-79

Seal :

FORM ITNS

1 S/Shri Satyabrat Tyagi s/o Sri Jyoti Prasad Tyagi
r/o House No. 384, Uttam Batika, West Court Road,
Meerut city on behalf of Mukhtar-ai-am Smt. Rajesh
Tyagi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. S/Shri Sudesh Tyagi w/o Sri Satyendra Tyagi r/o
village Falauda, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 151-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said' Act'), have reason to believe that
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 23-8-78

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House property No 363/3 Kutchehari Marg, Meerut
City sold for apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair
market value of which has been determined at Rs. 66,800/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 655-A/B-Shahar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 19-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. S/Shri Khichabu Singh s/o Sri Kaley r/o Panjaniyan, Khurja.

(Transferor)

2.S/Shri Khan Chandra s/o Dhajua r/o Panjaniyan, Khurja.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khurja sold for an apparent consideration of Rs. 7250/- the fair market value of which has been determined at Rs. 111,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sardar Singh
s/o Shri Phool Singh
r/o Raghunathpur Parg & Tah Hapur,
Post Bhatinda Distt Gaziabad

(Transferor)

- (2) Shri Dhannoo Devi
d/o Shri Dulhu
r/o Mohalla Chardi Kasba Hapur,
Bhagey Ram
s/o Shri Budun
r/o Raghunathpur Post Bhatana Parg &
Tah Hapur Distt Gaziabad.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No 740 A/G bad/78-79.—Whereas, I, B. C
CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-
after referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No
as per Scheduled situated at per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hapur on 18-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

16—56GI/79

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village Raghunathpur Parg &
Tah Hapur Distt. Gaziabad sold for an apparent considera-
tion of Rs 57,000/- the fair market value of which has been
determined at Rs 79,267/-

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 750-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kairana on 1-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Inamullah Khan
s/o Karamat Ali Khan
r/o Garhi Hasanpur Pargana Jhijhana
Tah. Kairana Dist. Muzaffarnagar.

(Transferee)

(2) S/Shri Ram Chandra, Nekiram
ss/o Shri Daduram
r/o Garhi Hasanpur Post Khas Pargana Jhijhana
Tah. Kairana Dist. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Garhi Hasanpur sold for an apparent consideration of Rs. 59,232/- the fair market value of which has been determined at Rs. 93,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.Date : 12-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 751-A/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 8-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Shri Pradip Prakash
s/o Late Sri Mahendra Prakash and
Smt. Sharda Kumar
w/o Sri Mahendra Prakash
r/o Rais, Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) Smt. Javitri Devi
w/o Sri Bhagwan Sahai,
Smt. Tikam Devi
w/o Rajpal Singh
r/o Harad Fatahpur
Post Khas Pargana Thana Bhawan
Tahsil Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Hind Pargana Thana Bhawan sold for an apparent consideration of Rs. 100,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 196,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 754-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 29-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puran Pratap Singh
s/o Shri Pitambar Singh
r/o near Bada Post Bikaner (Raj.)
Smt. Urmila Devi
w/o Shri Prem Swarup
r/o Mandawar Distt. Bijnoor.

(Transferor)

- (2) Smt. Vimla Devi
w/o Shri Subey Singh
r/o Gujar House Pakka Bagh,
Khatauli Pargana Khatauli
Tahsil Jansath Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Talda sold for an apparent consideration of Rs. 129,900/- the fair market value of which has been determined at Rs. 175,440/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 16th April 1979

Ref. No. 527 /Acq./Etah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 11-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Virendra Kumar
s/o Shri Keshav Dass,
Shri Ashok Kumar
s/o Shri Kanhaiya Lal
r/o Pakki Gali Mohalla Nathuram,
Etah.

(Transfer)

- (2) Shri Harishanker Maheshwari
s/o Shri Kanhaiya Lal,
Rajendra Pd. Gupta
s/o Shri Lachman Prasad,
Smt. Omlata
w/o Shri Chandra Prakash
r/o Kasba Sikandarabad
Shri Satya Prakash
s/o Shri Babu Lal
r/o village Uchagaon
Tah. Jalesar Distt. Etah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 8 Bigha 17 Biswa 15 Biswansi situated at village Sikandrarao, Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 22,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1979

Ref. No. 535/Acq./Etah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. S/Shri Vimesh Kumari w/o Rameshwar Sahai Rajada r/o Fatehgarh, Distt. Farrakhabad, Hal Badaun, Mohalla Shaikhpatti, Distt. Badaun.
(Transferor)

2. S/Shri Ranjit Singh, Ram Shanker Singh s/o Malikhan Singh Thanwaley sakin Gorla Shikam Pargana Sohar, Mahendra Singh, Rajendra Singh, Hem Singh sons of Malikhan Singh, Holiwaley, Garla Shilam Pargana Sohar, Distt. Etah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.48 Acre situated at Nagola Pancham Pargana, Sohar Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 41,600/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanur, the 16th April 1979

Ref. No. 586/Ac./Jalaun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalesar on 14-9-78 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Shri Mahendrapal s/o Surajpal r/o Jinawall, Post Avagarh Pargana Jalesar, Distt. Etah.
(Transferor)
2. S/Shri Gajraj Singh s/o Sujan Singh, Bahadur Singh s/o Nawab Singh, Kamal Singh, Brijendra Singh, Naipal Singh sons of Lala Ram and others r/o Kalianpur Majara Jinawali, Pargana Jalesar, Distt. Etah.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.07 Acre situated at village Jinawali, Pargana Jalesar, Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 56,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 94,200/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 139/Acq./Hathras/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at

as per Schedule
(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hathras on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. S/Shri Inder Beti s/o Kailash Chand Agarwal, Chakki Bazar Hathras, Distt. Aligarh, Smt. Usha Agarwal w/o Jamuna Pd. r/o Sedwara, Tilakdwar, Mathura.

(Transferor)

2. S/Shri Nanak Chand s/o Chiranjilal Yadav r/o Lohamandi, Khatipara, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property shop Tin Khati & Sayavan in front of the same situated at Chakki Bazar, Hathras, Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-4-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 242/Acq./Etah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on September 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
17—56GI/79

1. S/Shri Surajpal s/o Krishna Gopal r/o Sonkala, pargana Etah Sakit, Tah. & Distt. Etah.

(Transferor)

2. S/Shri Yakub Khan s/o Mahboob Khan, Nasir Khan s/o Bashir Khan, Sher Khan, Jabbar Khan s/o Wazid Ali r/o Sonkala, Pargana Etah Sakit, Tah. & Distt. Etah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sonkalan Pargana Etah Sakit, Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 15,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 49,500/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 891/Acq/Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Dr. Shashi Prabha Jain d/o Lala Gopinath Jain w/o Ratan Kumar Gupta r/o 38 Lajpatnagar, Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Asharfi Lal Jain s/o Patiram Jain, Arun Kumar Jain s/o Asharfi Lal Jain r/o 10/47 Katara Madari Khan, Agra,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 13/208 Nagala Budhan Syed Nakhara, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 70,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 889/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 25-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Guarishanker s/o Lala Shambhunath, Ghanshyam, Hari Shanker, Sharad Kumar sons of Lala Gaurishanker and others r/o 44A Mall Road, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Amarnath Ji s/o Visheshwar Nath r/o Roshan Mohalla Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 29/199 Rajamandi, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Vamadevan and others.

(Transferor)

(2) Kochumariam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR,
COCHIN-6820 16.

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. L.C. 255/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Kodungallur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodungallur on 17-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

65 cents of land with buildings vide document No. 2048/78 of S.R.O. Kodungallur.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 23-10-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Mathew T. Marathukulam,
2. Smt. Annakutty Mathew,
3. Smt. Philomina Thomas,
All residing at Ruby Nagar, Changanassery.
(Transferor)
- (2) M/s K. J. Plantations, Kilikolloor, Quilon-4. By
partners K. Somasundaram & 8 others.
(Transferees)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE

“ANJIPARAMBIL BLDGS”, ANAND BAZAAR,
COCHIN-682 016.

Cochin-682016, the 28th February 1979

Ref. L.C 290/78-79.—Whereas J. K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Muthalamada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kollengode on 28-8-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

914 acres of coffee, cardamom and cinnamon estate as per schedule attached to document No. 953/78 of SRO, Kollengode.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated : 28-2-1979
Seal :

FORM FINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1979

Ref. No. Raj/JAC(Acq)/510.—Whereas, I HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Bharatpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ratanlal Vaish S/o Shri Radhi Ram Baish, Atal Band Mandi, Bharatpur, Now Kosi Kalan Distt. Mathura (U.P.).

(Transferee)

- (2) Smt. Shanti Devi W/o Shri Raghunath Prasad Vaish Moti Char Bagh, Bharatpur (Rajasthan).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated in Nai Mandi, Bharatpur and more fully described in the sale deed, registered by S. R. Bharatpur vide registration No. 1338, dated 30-8-78

HARI SHANKER

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 24-2-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1979

Ref. No. Raj/LAC (Acq)/509—Whereas, I HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Bharatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rafanlal Vaish S/o Shri Badri Ram Vaish, Atal Band Mandi, Bharatpur, Now Kosi Kalan Distt. Mathura (U.P.).

(Transferor)

(2) Shrinmati Rameshwari Devi W/o Shri Ram Swaroop Vaish Atal Band Mandi, Bharatpur (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated in Nai Mandi, Bharatpur and much fully described in the Sale Deed, registered by S.R. Bharatpur, vide registration No. 1337 dated 30-8-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 24-2-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
57, RAMTIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 28th March 1979

Ref. No. L-28/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and part of bearing No. J-12/15 B-1-C situated at Mohalla Baulia Bagh, Dhoop Chandi Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 21-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

(1) Smt. Ram Pyari Devi.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Mohan.

(Transferee)

(3) Smt. Ram Pyari Devi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storeyed House No. J-12/15-B-1-C situated at Mohalla Dhoop Chandi—Baulia Bagh—Varanasi City ad-measuring 214.60 sqm and all that description of the property which is mentioned in Form No. 37G of No. 6331 of 1978 dated 21-8-1978 and sale deed duly registered in the records of Sub Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 28-3-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1979

Ref. No. J-50/ACQ.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. at Mohalla New Hyderabad, situated at Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 5-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—56GI/79

- | | |
|-------------------------------|--|
| (1) Smt. Shanti Devi Agarwal. | (Transferor) |
| (2) Shri Jagat Narain Tiwari. | (Transferee) |
| (3) Self. | (Person in occupation of the property) |

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Double Storeyed house admeasuring 6300 Sqfts situated at Mohalla, New Hyderabad, Lucknow and all that descriptions of the property which is mentioned in form 37-G No. 3057 and sale deed, duly registered at the office of the Sub-Registrar Lucknow on 3-8-1978.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow

Date : 31-3-1979
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1979

Ref. No. R-130/ACQ.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-A situated at Krishna Nagar Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-11-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jatinder Kumar Trehan. (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar Agarwal. (Transferee)
- (3) Shri Rawan Kumar Agarwal. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 29-A measuring 14550 Sq. Fts. situated at Mohalla Krishna Nagar Lucknow and all that descriptions of the property which is mentioned in form No. 37-G No. 5237 and sale-deed duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 8-11-1978.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 31-3-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 15th March 1979

C.R. No. 62/21157/78-79/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building bearing Corporation No. 8/3, in Street No. 27, (H. Siddaiah Road), (in Division No. 38), situated at Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore. Document No. 1556/78-79 on 16-8-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Peddappa Naidu, S/o Sri Muniswami Naidu, No. 4, Mavalli Tank Bund Road, Journalist Colony, Bangalore-2.
(Transferors)
- (2) Shri L. S. Ahmed, S/o Safdar Hussain, L. S. Sardar Ahmed and L. S. Anis Ahmed Children of Sri L. S. Ahmed, all residing at No. 21, New Patnoolpet, Bangalore-2.
(Transferees)
- (3) 1. Shri M. Nagaraj, Waste Paper Merchant.
2. K. Hamza, General Merchant.
3. M. Yusuf, Bismalla Tea Stall.
4. Harsha Vardhana Setty, M/s. Sadhana Industries, (Ground Floor, No. 8/3, H. Siddaiah Road, Bangalore-27).
5. M/s. Nitco Road Ways (P) Ltd. (Godown in 1st floor) (No. 8/3, H. Siddaiah Road (office at No. 41/1, Mavalli Tank Bund Road, Kalasipalyam, Bangalore).
6. Sri G. V. Shama Rao, Karnataka Saree Printing, No. 8/3, H. Siddaiah Road, Bangalore-27.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1556/78-79, dated 16-8-1978). Building bearing Corporation No. 8/3, in street No. 27, (H. Siddaiah Road), (Division No. 38), Bangalore.

Boundaries :

East : Corporation Road,
West : Private property,
North : Private property,
South : H. Siddaiah Road.

P. RANGANATHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lakshamma, No. 27, 2nd Cross Street,
Major Trustpuram, Madras-24.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th March 1979

C.R. No. 62/21143/78-79/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Kilari Road, 8th Cross, Bangalore City (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1692/78-79 on 24-3-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Master Shivaputtaswamy.
2. Kum. M. Lakshmi.
3. Master M. Raghavendra.
4. Kum. M. Poornima.
5. Master M. Lohita.
All minors members represented by mother and Guardian Smt. S. P. M. Parvathamma, No. 27, 2nd Cross Street, Major Trust Puram, Madras-24.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1692/78-79, dated 24-8-1978).

All that piece and parcel of vacant land No. 11, Kilari Road, 8th Cross, Bangalore City measuring 38.64 Sq. Mtrs

Boundaries :

East : B. V. K. Iyengar Road,
West : Kilari Road 8th Cross,
North : Private property,
South : Private property.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th March 1979

C R No 62/20374/78 79/ACQ/B—Whereas, I, P
RANGANATHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

2012 situated at Rajajinagar, IInd Stage, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Document No 2002/78-79 on 7-8-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri N S Adkoli, S/o S N Adkoli, Managing Director, Karnataka State Forest Industries, Corporation Ltd Malleswaram, Bangalore-560003

(Transferor)

(2) Shrimati M Laluthamma, W/o Late H N Mahadevan, No 1, P S K Lane, Akkipet, Bangalore 53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2002/78 79 dated 7 8-1978)
House property bearing No 2012, Rajajinagar, IInd Stage, Bangalore-10

Boundaries

North Road,
East Road
South Site No 2012
West Site No 2011

P RANGANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 15-3-1979
Seal

FORM ITNS—

(1) Mrs. Gangamma, W/o Late Parameshwarayya, 8/114C Old Tank Road, Pallavaran, Madras-43.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Mahabaleshwara Services and Agencies Pvt. Ltd., Mahabaleshwar, Kadri Road, Mangalore-575003 Reptd. by Managing Director Sri K. C. Naik.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001, the 19th March 1979

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/20659/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 285/A2A T.S. No. 170/A2A situated at Bunts Hostel Road, Kodialbail, Mangalore-575002, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 474/78-79 on 28-8-1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 474/78-79, dated 28-8-1978). 29 Cents land with building situated in South Hostel Road Kodialbail, Mangalore-575002 bearing No. P. S. 285/R2A T.S. No. 170/A2A.

P. RANGANATHAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th March 1979

C.R. No. 62/20789/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Railway view No. 2546 situated at Tumkur Town near (Rly. Stn.), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur Doc. No. 2003/78-79 on 2-8-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri S. Bhavarlal, S/o Shri S. Sohanraj.
2. Smt. S. Tara Bai, W/o Shri S. Bhavarlal.
C/o Kanti Silk House, M.G. Road, Tumkur.
(Transferors)
- (2) Sri Sri Sri Pranava Swaroopi Dr. Shivakumara-swamy Peethathipathi Gallu, Siddaganga Matta, Tumkur.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2003/78-79, dated 2-8-1979).
House property bearing Municipal No. 2546, New No. 2646/2661, Railway View, Opp. Railway Stn. Tumkur Town, Tumkur.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/EPL/1236.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1st August, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sunil Kumar, S/o Nankumar Porwal, Gandhi Chowk, Kamtee, Nagpur, at present 135, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Suryakant, S/o Bhaulal Bhai Patel, 1/3, Tilak Path, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 135, Jaora Compound, Indore

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1237/78-79.—Whereas I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—56GI/79

(1) (1) Satishchandra Sohanlal Sanghi, (2) Smt. Gita Singhi, (3) Ku. Seema Sanghi, (4) Anuradha Sanghi (5) Rajendrakumar Sanghi, S/o Sureshkumar Sanghi, Maharani Road, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Sureshchandra, (2) Maheshchand, (3) Dineshchandra, (4) Gopal, (5) Arunkumar, sons of Shri Chhanganlal Mittal, 22/1, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land plot No. 22/1, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-3-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1238/78-79.—Whereas I, B. L. RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot/Godown situated at Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10th August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Indore Goods Transport Corporation through partner Shri Sukhdayal Shankerdas Pahwa and Smt. Parveshrani 346, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

- (2) M/s. Amar Roadways, Prop. Shri Amarlal & Co., 318, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 105 with Godown situated at Transport Nagar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1239/78-79.—Whereas I, B. L. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 16th August, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharamvir Mohindra, Retd. Wing Commander, S/o Late Shri Shadiram Mohindra, No 4, Agra Club, Agra

(Transferor)

(2) (1) Dr Gurneksingh Grewal S/o Dr. Teksingh Grewal, (2) Smt Daljit Kaur Grewal, S/o Dr. Gurneksingh Grewal, (3) Shri Dalbursingh Grewal, and Shri Pritamsingh, S/o Dr. Gurneksingh Grewal, Lal Hospital, opp Gandhi Hall Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. SV-102, Saket Colony, Indore.

B. L. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date - 31 3 1979

Seal -

FORM ITNS—(1) Shri Harikumar S/o Motilalji Maheshwari,
R/o 24-B, Builders' Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Mohan Bai, W/o Shri Vardhamanji Pithalia,
30, Lodhi Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 31st March 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1240/78-79.—Whereas I, B. L. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot & House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 17th August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Built up house on Plot No. 9, Dhenu Market, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.Date : 31-3-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1241/78-79.—Whereas, I, B. L. RAO being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 14th August, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chandrabhabha Devi, W/o Shri Ratanlal Modi, (2) Shri Bharat Kumar, S/o Ratanlal Modi, (3) Smt. Sudhadevi, W/o Shri Manmohanji Modi, 5/1, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Johar Ali, S/o Shri Taiyab Ali, (2) Kaiser Ali, S/o Taiyab Ali, (3) Bakir Ali, S/o Taiyab Ali through Taiyab Ali, S/o Gulam Hus-sain, 91, Maharani Road, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 5/1, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1242/78-79.—Whereas I, B. L. Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17th August, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Chandraprabha Devi, W/o Ratanlal Modi, (2) Bharat Kumar, S/o Datanlal Modi, (3) Smt. Sudhadevi, W/o Shri Manmohan Modi, (4) Smt. Kusumdevi, W/o Shri Bharatkumar Modi, (5) Manmohan Modi, S/o Shri Ratanlal Modi, 5/1 South Tukoganj, Indore.

(Transferors)

(2) (1) Shri Johar Ali, (2) Kaiser Ali sons of Taiyab Ali and (3) Shri Bakir Ali (Minor) through Shri Taiyab Ali, S/o Gulam Hussain, 91, Maharani Road, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5/1, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 31-3-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd April 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1243.—Whereas I, B. L. Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 21st August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Bipinchandra Gajjar & Smt. Chandrika Gajjar, 49/3, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Kamal Krishan, (2) Santosh Kumar, (3) Anil Kumar, S/o Pishorilal, and (4) Smt. Sharan W/o Pishorilal, Galgala, Jabalpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 49/3, Narbada Road, Jabalpur.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Dated : 3-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th March 1979

Ref. No. Acq./881.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. 94 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 7-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Cherukuri Ravisankar, M/G. Mother Smt. Ch. Sowmya Sundari, w/o Krishna Murthy, Pitchalaiah, St., Labbipeta, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) The Congregation of the Franciscan Missionary sisters of the Sacred Heart, Machilipatnam, Rep. by its President Sr. Letitia C/o Bishop's House, Patamata, Vijayawada-520 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3725/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the fort-night ended on 15-8-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/c) Kakinada.

Date 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th March 1979

Ref. No. Acq./882.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50-40-9 situated at Vishakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 9-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—56GI/79

(1) Shri Barri Narasinga Rao, s/o Late Suryanarayana, Seethammadhara Colony, Visakhapatnam-13.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Bharatan S/o A. B. Ranga Iyytr, Hotel Ooty, Dabagardens, Visakhapatnam-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4824/78 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the fortnight ended on 15-8-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c) Kakinada.

Dated : 9-3-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2NR FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1979

Ref. No. P. R. No. 657 Acq. 23-1246/19-2/78-79.—
Whereas, I, S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 216 situated at Village Kadodara, Tal. Pal-
sana, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kamrej in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- 1) 1. Shri Thakorbbhai Makanbbhai;
2. Shri Gopalbbhai Makanbbhai;
3. Shri Thakorbbhai Makanbbhai as guardian of minor
Mahendrakumar Thakorbbhai;
Village : Saroli, Tal. Choryasi, Dist. Surat.
(Transferor)
- (2) Jay Bharat Silk Enterprise,
Partners :
1. Ramrichpal Rameshwardas
Kalbadevi, Bombay.
2. Kamladevi Fulchand Arya—Resi, Moyara Street,
Calcutta.
3. Sushilkumar Fulchand Binder,
Prabhu Darshan Coop. Housing Society,
Athwa Lines, Surat.
4. Ravi Satya Priya Arya—
Poddar Road, Bombay.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land registered at Block No. 216, admeasuring 11 Acres
and 10 Gunthas, situated at Village Kadodara, Tal. Palsana,
Dist. Surat, duly registered with registering authority at
Kamrej in August, 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 26-3-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1979

Ref. No. Acq. 23-L-2036(802)/16-6/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building standing on land 250 sq. yd. (Lekh No. 490)

Paiki situated at Junction plot Sheri No. 5/10, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 11-8-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxmidas Harjivan Prasnanek,
DINDORI, Dist. Chandla,
Madhya Pradesh.

(Transferor)

- (2) Smt. Jyotibala Jayantilal Kachhala,
Street No. 5/10, Junction Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (double storeyed) standing on land 250 sq. yd. (Aghat Lek No. 490 Paiki) situated at 5/10, Junction Plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale deed No. 2435/16-6-1978 on 11-8-1978 (Intimation of 37-G form received in the Second F.N. of January, 1979 from Sub-Registrar, Rajkot) i.e. property as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 23-4-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/196/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. $\frac{1}{4}$ share of free hold residential plot No. 18, Street D, Sec. 21-C, (New 2228) measuring 566.2 Sq. yds. in Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Resldar Hira Singh through his General Attorney and son Shri Joginder Singh r/o Village Sabaron Majra Distt. Ludhiana,

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Malhotra w/o Shri Madhukar Malhotra r/o H. No. 1028, Sector-36-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{4}$ share of free hold residential plot No. 18, Street D, Sector 21-C, (New 2228) Chandigarh measuring 566.2 Sq. yds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 435 of August, 1978 of the Registering Officer at Chandigarh.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/197/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4 Share of Free hold residential plot No. 18, Street D, Sector 21-C (New No. 2228) measuring 566.2 Sq. yds. in Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri and Shrimati
1. Gurdev Kaur Wd/o Shri Karnail Singh.
2. Naginder Singh. } sons and Daughters of
3. Bhupinder Singh. } Late Shri Karnail Singh,
4. Daljit Singh. } through their general
5. Parminder Singh. } Attorney Shri Narinder
6. Baljinder Singh. } Singh, r/o Village
7. Amarjit Kaur. } Gobindpura, Tehsil Payal
8. Rajinder Kaur. } Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Mrs. Meera Malhotra w/o Shri Madhukar Malhotra r/o H. No. 1028, Sector 35-C Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Share of free hold residential plot No. 18, Street D, Sector 21-C, (New No. 2228) Chandigarh measuring 566.2 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 436 of August 1978 of the Registering Authority at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/203/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3240, Sector 15-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandan Singh s/o Shri Mulla Singh, r/o H. No. 3240, Sector 15-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) S/Shri Kishan Chand Bhatti And Roop Lal Bhatti ss/o Shri Chura Ram r/o H. No. 1500, Sector 22-B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3240, Sector 15-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 455 of August 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/206/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 share of SCO site No. 57, Sector 30-C, Chandigarh measuring 114 Sq. yds. situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakar Singh Arora, s/o Shri Puran Singh Arora through his General Attorney Shri Manmohan Singh s/o Shri Harbhajan Singh r/o H. No. 3011, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Roshan Lal s/o Shri Hakam Rai, r/o H. No. 1266, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Share of SCO Site No. 57 measuring 114 Sq. yds. situated in Sector 30-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 468 of August 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/219/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ½ share of SCO site No. 57, measuring 114 Sq. yds., situated at Sector 30-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakar Singh Arora son of Shri Puran Singh Arora through General Attorney of Shri Manmohan Singh s/o Shri Harbhajan Singh r/o H. No. 3011, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Roshan Lal s/o Shri Hakam Rai, r/o H. No. 1266, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ Share of SCO Site No. 57, measuring 114 Sq. yds. situated in Sector 30-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 541 of September 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/210/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.O. site No. 205, measuring 134.17 sq yards situated at Sector 7-C, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

21—56GI/79

(1) Shri Ram Bhasin s/o Shri Gopal Dass Bhasin, r/o 2157, Sector 21-C, Chandigarh, through General Attorney Shri Lom Harsharan s/o Shri Banarsi Dass, r/o 1938, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Shri Sewa Singh s/o Shri Dalel Singh r/o H. No. 557, Sector 8-B, Chandigarh (2) Shri Trilok Singh Mandair s/o Sewa Singh through Shri Sewa Singh (Attorney) r/o H. No. 557, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. site No. 205, Sector 7-C, Chandigarh measuring 134.17 sq yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 482 of August 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979

Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) Lt. Col R N Malik s/o Late Shri D. N. Malik,
Headquarters The Infantry School, Mhow (M P).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pardeep Kumar Malhotra s/o Shri S. P. Malhotra, r/o House No. 1761, Sector 23-B, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/211/78-79—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (**hereinafter referred to as the 'said Act'**), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No. Plot No. 96, Sector 18-C, Chandigarh situated at Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 96, Sector 18-C, Chandigarh (R.P. No. 1509).

(The property as mentioned in the Registered deed No. 484 of September 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/212/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule No. SCO, 288, Sector 35-D, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arjit Singh Mahal s/o Shri Piara Singh Mahal through his mother and General Attorney, Smt. Narinder Kaur 11, Kidwai Nagar (West) New Delhi.
(Transferor)
- (2) 1. Captain Harinder Singh s/o Shri Bakhtawar Singh,
2. Smt. Bhajan Kaur w/o Captain Harinder Singh r/o 2136, Sector 21-C, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Shri Mangat Ram of M/s New Krishana Tent stores.
2. Shri Ashwani Kumar, Proprietor M/s A.C. Confectionary.
3. M/s Chander Mohan Khazan Chand of M/s Chander Stove and Cycle works r/o SCO 288, Sector 35-D, Chandigarh.
4. The Controller of Imports and Exports, Govt. of India, 1st and 2nd Floor SCO 288, Sector 35-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO 288, Sector 35-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 485 of September 78 of the Registering Authority at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/214/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 8, Sector 16-A, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri K. R. Wadhwa s/o Harbans Lal Wadhwa,
2. Smt. Savita Wadhwa w/o Shri K. R. Wadhwa,
3. Shri Rajiv Wadhwa,
4. Miss Ranu Wadhwa,
5. Master Yatish Wadhwa, r/o 1016, Sector 11-C, Chandigarh.

(Transferees)

- (2) Shri and Shrimati
1. Bimal Jairath w/o M. I. Jairath,
2. Ramesh Jairath and
3. Shri Vinesh Jairath s/o M. L. Janath,
r/o 700, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferees)

- (3) 1. Singla, Asstt. Director of Industries Haryana.
2. Godbole, Prof. of Commerce Deptt Pb. University and
3. Dr. S. R. Avasthy,
r/o H. No. 8, Sector 16-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8, Sector 16-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 495 of September 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/225/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 252 Sector 20 A, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baldev Singh Dhillon s/o Shri Bahadar Singh Dhillon r/o House No. 252, Sector 20-A, Chandigarh. (Now r/o V. Bhogian, P.O. Chahal, Distt. Amritsar.).

(Transferor)

(2) Shri Gurdial Sami s/o Nanak Chand Sami r/o H. No. 252, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 252, Sector 20-A Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 574 of October 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 18th April 1979

Ref No CHD 228/78-79—Whereas I NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No SCO site No 2439-2440 Sector 22 C, (CPL No 2792), Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Smt Paramjit Kaur w/o Shri A. S. Puri through her General Attorney Shri Autar Singh Sekhon, St Bhakra Main Line circle, Patiala

(Transferor)

- (2) Shri Amba Parshad Sharma s/o Late Shri Nand Lal Ram, r/o H No 334, Sector 9, Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

SCO Site No 2439-2440, Sector 22-C, (CPL No 2792) (measuring 287.5 Sq yds) Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered deed No 1586 of October 1978 of the Registering Officer at Chandigarh)

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Ludhiana

Date 18-4-1979

Seal

FORM ITNS—

(1) Mrs. Seta Suri r/o H. No. 501, Sector 10 C,
Chandigarh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. SML/66/78-79—Whereas I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 251/B/2 C & 251/1 B, Station Ward, Chhota Simla situated at Chhota Simla (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in August, 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Vidya Stokes w/o Sh. L. C. Stokes r/o Prewal, Ihnedhai, Distt. Simla (Now at Ekant Van, Dhalli, Simla-12)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kh. No. 251/B/2/C & 251/1/B, Station Ward Chhota Simla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 525 of August, 1978 of the Registering Authority at Simla).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Seeta Suri, r/o H. No. 501, Sector 10-C, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sudha Puar w/o Sh. Deep Raj Puar, r/o Prewal, Thanedhar, Distt. Simla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. SML/67/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 251/B/2/A & 251/B/2/B station Ward Chhota Simla, situated at Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 463 Sq. yds. 8 Sq. (Kh No. 251/B/2/A & 251/B/2/B) Station Ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 524 of August, 1978 of the Registering Officer, at Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No. SML/68/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. 251/B/2/D & 251/3, Station Ward, Chhota Simla situated at Chhota Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—56GI/79

(1) Smt. Seeta Suri, 1/o H. No. 501, Sector 10-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Sanjiv Stokes s/o Sh. I. C. Stokes, r/o Prewal Thanedhar Distt. Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 251/B/2/D & 251/3 alongwith Godowns, situated at Station ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 523 of August, 1978 of the Registering Authority at Simla)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 18th April 1979

Ref. No. SML/69/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 251/B/2/E & 251/8, Station Ward, Chhota Simla, situated at Chhota Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Simla in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Seeta Suri, r/o H. No. 501, Sector 10-C, Chandigarh. (Transferor)
(2) Dr. Sudhir Stokes s/o Sh. L. C. Stokes, r/o Prewal, Thanedhar, Distt. Simla. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

618 Sq. yds 3 sq. ft. Khasra No. 251/B/2/E & 251/8 Station Ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 522 of August, 78 of the Registering Authority at Simla.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 18th April 1979

Ref. No. SML/75\$78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48 The Mall, and Middle Bazar, Simla, situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Darbari Lal Gupta, 715, Sector 11-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Dinesh Kumar Gupta r/o 48, The Mall, Simla.

(Transferee)

(3) 1. Sh. Prem Chand Sood, Prop. Prem Chat Shop Simla.

2. Sh. Faqir Chand, Prop. Lahorian Di Hatti

3. South India Coffee House, 48 The Mall, Simla.

4. Himani Restaurant, 48 The Mall, Simla.

(Person in occupation of the property)

(4) 1. United Commercial Bank, Simla.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

48 The Mall of Middle Bazar Simla.
(The property as fully described in Registered Deed No. 631 of October, 78 of the Registering Officer, Simla.).

NATHU RAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. SML/76/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 606 Sq. yds. 2 sft. situated in Station Ward, Chhota Simla situated at Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brig. Sukhwant Singh s/o S. B. S. Gian Singh (self) & Gurdian of Sh. Gurmit Singh s/o S. B. S. Gian Singh r/o Summerbad-Simla-7.
2. Dayawant Singh s/o S. B. S. Gian Singh r/o Durga Villas Simla 6 through Sh. Dapinder Singh (G.A.)

(Transferor)

- (2) Dr. Balak Ram Verma s/o Sh. Jindo Ram, r/o V. Kangoo Teh. Sunder Nagar, Distt. Mandi H.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 606 Sq. yds. 2 Sq. ft. situated in Station Ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 638 of August, 1978 of the Registering Authority at Simla.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. PTA/116-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Measuring 14 bighas 7 Biswas situated at Village Alipur Araian Teh & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) S/Shri Dalip Singh, Bhajan Singh ss/o Sh. Sunder Singh & Smt. Kartar Kaur wd/o Sh. Sunder Singh Village Alipur Araian Teh & Distt. Patiala.
(Transferees)

(2) Smt. Chameli Devi w/o Sh. Hari Dass & Smt. Prem Lata w/o Shri Ram Chand c/o M/s. Punjab Rice Mills, Village Alipur Araian Teh. & Distt. Patiala.
(Transferees)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Bighas 7 Biswas situated at Village Alipur Araian Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2980 of August 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sajjan Singh s/o Shri Mehtab Singh r/o Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Repudaman Singh s/o Sh. Gopal Singh Sethi
r/o Near Modi College, Patiala

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA**

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. PTA/122/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property on a plot measuring 901.1/2 Sq. yds. situated near Modi College, Outside Sunami Gate, Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on a plot measuring 901. 1/2 Sq. yds. situated outside Sunami Gate, near Modi College, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3089 of September, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. PTA/125/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 5005/5, Bhupindra Nagar Road, Brar Street, Patiala, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mohinder Kaur wd/o Lated Shri Puran Singh r/o Kothi No. 77, Sector 8-A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Ranjit Kaur w/o Sh. Karam Singh Dhillon r/o Jetherka Distt. Bhatinda.
(2) Sh. Ghumand Singh Chahal s/o Harnam Singh Chahal r/o Mithewal, Distt. Sangrur.
(Transferees)
- (3) 1. Shri V. K. Shrivastwa }
2. Sh. V. K. Iyar } r/o Kothi No. 5005/5
3. Sh. G. B. Sharma } Brar Street, Bhupindra
4. Sh. Shushil Kumar } Nagar, Patiala.
Pappu
5. State Bank of Patiala, Patiala.
(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 5005/5, Brar Street, Bhupindra Nagar Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3256 of September 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jaswant Singh s/o Shri Sardara Singh, Village Ghangas, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Tarlochan Singh, Narvinder Singh s/o Harbhajan Singh s/o Jaswant Singh, Village Ghangas, S. Teh. Payal, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. PYL/49/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 5 bighas situated at Village Ghangas, S. Teh. Payal, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas situated at Village Ghangas, S. Teh. Payal, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1033 of August, 1978 of the Registering Officer, Payal).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/72/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—56GI/79

- (1) S/Shri Niranjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh, & Kuldip Singh c/o M/s. Calcutta Industries Works, Gill Road, Ludhiana.

(Transferors)

- (2) Smt. Gurdev Kaur w/o Sh. Kirpal Singh s/o Hakam Singh r/o H. No. 718, Mohalla Chet Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2035 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) S/Shri Niranjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh & Kuldip Singh c/o M/s Calcutta Industries Works, Gill Road Ludhiana.
(Transferor)

(2) Sh Parmjit Singh s/o Karpal Singh s/o Hukam Singh t/o H No 718, Mohalla Chet Singh Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No LDH/75/78-79—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Plot measuring 155½ Sq. yds situated on Gill Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

The plot measuring 155½ Sq yds situated on Gill Road, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered deed No 2095 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-4-1979.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No. LDH/87/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Niranjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Jinder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh, & Kuldip Singh c/o M/s Calcutta Industries Works, Gill Road, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Kupal Singh s/o Sh. Hukam Singh i/o 718, Chet Singh Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2185 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/91/78-79.—Whereas I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 155½ Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Niranjana Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh & Kuldip Singh c/o M/s Calcutta Industries Works, Gill Road, Ludhiana,
(Transferor)

(2) Sh. Sukhiwinder Singh s/o Shri Kirpal Singh, r/o H. No. 718, Mohalla Chet Singh Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 155½ Sq. yds. situated at Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2212 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18.4.1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/76/78-79—Whereas I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th portion of a factory building measuring 2420 Sq. yds. situated Industrial Area-A, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Amar Singh s/o Mukandi Lal s/o Kheeva c/o Parveen Hosiery r/o B VI/234 Kucha No. 3, Madhapuri, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Banwari Lal Behl s/o Sh. Ralla Ram Behl s/o Sh. Ghaseeta Ram B IV/1390 Chauri Sarak, Hosiery Commission Agent, Near Akki Bai Hospital, Ludhiana.

*(3) Sh. Mehar Chand s/o Sh. Mela Ram, 275, Industrial Area-A, Ludhiana.

(Person in occupation of the property).

*(4) Sh. Kashmira Singh c/o S. K. Wonderful Hosiery Mills, Kucha No. 3, Madhapuri, Ludhiana

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a factory building No. 275 measuring 2420 Sq. yds. situated in Industrial Area A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2105 of August, 1978 of the Registering Authority Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 18-4-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No LDH/105/78 79—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Jamalpur Awana Teh & Distt Ludhiana (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Ludhiana in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt Harnam Kaur wd/o Sh. Sham Singh, Village Narangwal Teh & Distt Ludhiana through S. Amarjeet Singh Grewal, Advocate s/o Shri Gurdeep Singh, 407, Model Town, Ludhiana (Transferor)
- (2) Shri Jang Singh s/o Sunder Singh, Village Jamalpur Awana Teh & Distt Ludhiana (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Jamalpur Awana Teh & Distt Ludhiana
(The property as mentioned in the Registered deed No 2482 of September, 1978 of the Registering Officer Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 18 4-1979.
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No LDH/106/78-79—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Jamalpur Awana Teh Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Hainam Kaur
wd/o Shri Shyam Singh,
1/o Village Narangwal Teh & Distt Ludhiana
through Shri Amarjeet Singh Grewal Advocate
s/o Shri Gurdeep Singh,
1/o 407, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Shri Jang Singh
s/o Shri Sunder Singh
Village Jamalpur Awana
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Jamalpur Awana Teh & Distt. Ludhiana
(The property as mentioned in the registered deed No 2499 of September, 1978 of the registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition range, Ludhiana

Date 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/107/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 40D, measuring 978 Sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramcharan Singh
s/o Shri Harnam Singh
r/o 202-Sector 33-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) S/Shri Charanjeet Singh, Jagjit Singh
ss/o Shri Gurnam Singh
s/o Shri Waryam Singh
r/o Kucha No. 13, Field Ganj,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40-D, measuring 978 Sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2516 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition range, Ludhiana.

Date : 18-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/R/82/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 80 kanals, situated at Village M. Ghumana, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—56GI/79

(1) Shri Maheshi
s/o Shri Bachna
r/o Village Ghumana now at Ghanaun,
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh s/o Shri Jagjit Singh
r/o Village Ghanaun, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 80 kanals situated at Village M. Ghumana, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3921 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition range, Ludhiana.

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG
LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/R/85/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 65-1, Measuring 846 sq. yards, situated at Kartar Singh Sarabha Nagar (Village Sunet), Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August 78

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Tara Singh
s/o Shri Nahar Singh
s/o Shri Chet Singh
1/o Village Sunet Teh. & Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Bharat Bhushan
s/o Shri Om Parkash
s/o Shri Kaur Sain &
Smt. Santosh Rani
w/o Shri Om Parkash
c/o Jindal Industries, H-2, Textile Colony,
Industrial Area 'A', Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 65-1, measuring 846 sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar (Village Sunet), Ludhiana.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 4016 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition range, Ludhiana

Date : 18-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st April 1979

Ref. No. CHD/194/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property SCF No. 5, Sector 27-C, constructed on a plot measuring 123.75 sq. yards situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwan Devi
w/o Shri Mohari Lal Kathuria,
r/o H. No. 279, Sector 21-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Sewak Singh
s/o Shri Harnam Singh,
S/Shri Randhir Singh, Mohanbir Singh,
Jasbir Singh, Ramabir Singh and
Tejinderbir Singh
ss/o Shri Sewak Singh,
1/o H. No. 115, Sector 8-A, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Dhari Shah Di Hatti,
SCF No. 5 Sector 27-C, Chandigarh.
2. Shri Dalip Chand
3. Mrs. Veena Marwah
c/o 1st floor, SCF No. 5,
Sector 27-C, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property SCF No. 5 Sector 27-C, Chandigarh,
(The property as mentioned in the Registered deed No. 428 of August, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition range, Ludhiana.

Date : 21-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 21st April 1979

Ref. No. CHD/205/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property SCO No. 266, Sector 35-D, constructed over a plot measuring 121 sq. yds. situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hans Raj
s/o Shri Ram Singh
2. Smt Shanti Devi
w/o Shri Hans Raj,
through G.As S/Shri Ram Sarup and Ashok Kumar
ss/o Shri Hans Raj,
r/o 36-C, Prahalad Nagar,
Meerut City.
(Transferor)
- (2) 1. Lt. Col. Gurpartap Singh Sekhon
s/o Late Col. Raghbir Singh,
2. Cap. Sarbjit Singh Sekhon
s/o Lt. Col. Gurpartap Singh,
3. Kanwar Partap Singh Sekhon (minor) and
4. Bhagwan Partap Singh (minor)
ss/o Cap. Sarbjit Singh
5. Smt. Rajinder Kaur
w/o Lt. Col. Gurpartap Singh,
6. Mrs. Sheena Sekhon
w/o Cap. Sarbjit Singh Sekhon,
r/o Manjit Inderpura, Feridkot.
(Transferee)
- (3) Shri Naresh Kumar Uppal, Prop;
M/s Uppal General Store,
SCO No. 266, Sector 35-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property SCO No. 266, Sector 35-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 458 of August, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 21-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 21st April 1979

Ref. No. PTA/99/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 7708/5, Bhupinder Nagar Road, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Com. Hardev Singh
Shri Parhlad Singh,
r/o S-260, Punj Seel, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Harinder Kaur & Shri Amarjit Singh
s/o Dr. Balbir Singh,
r/o Village Bulapur, Teh. Malerkotla, (Transferee)
- (3) Shri (Dr.) Sukhdev Singh,
Kothi No. 7708/5, Bhupinder Nagar Road,
Patiala. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 7708/5, Bhupinder Nagar Road, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 2579 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition range, Ludhiana.

Date : 21-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 20th November 1978

Ref No BGR/DLI/21/78179.—Whereas, I,
RAVINDER KUMAR PATHANIAbeing the competent authority under section 269B of the In-
come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the said Act) have reason to believe that the immovable prop-
erty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearingPlot No 54A, DLF Industrial Area No 1, situated at
Faridabad(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
Delhi in August, 1978for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
1961 (43 of 1961) in respect of any income arising
from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) .

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) S/Shri Narinder Singh, Shaminder Singh,
Apminder Singh and Smt. Gurcharan Kaur,
all R/o E-10, East of Kailash,
New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Jainson Engineers (P) Ltd,
Regd Office, J-2, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 54A measuring 4066 sq yds and situated at
DLF Industrial Area No. 1, Faridabad
(Property as mentioned in sale deed registration No 411
dated 11-8-1978 and registered in the office of the Regis-
tering Authority, Delhi)

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date . 20-11-1978

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK

Rohtak, the 20th November 1978

Ref No PNP/3/78 79—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land measuring 4 bigha 18 biswas situated at Pattu Rajputan, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Smt Bimla Chaudhry
Wd/o Late Shri Lachman Dass,
- 2 Smt. Nidhi Chaudhry
D/o Shri Lachhman Dass,
Rs/o H No. 188, Model Town, Panipat
(Transferee)
- (2) 1 Shri Ram Narain
s/o Shri Shivdhan Mal,
- 2 Smt Savitri Devi
w/o Shri Ram Narain,
- 3 Shri Laxmi Chand s/o
Shri Neki Ram, C/o
M/s General Metal Industries,
Railway Road, Panipat
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bigha 18 biswas situated at Pattu Rajputan, Panipat.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No 2487 of September, 1978 with the Sub Registrar Panipat)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak

Date 20-11-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD
ROHTAK**

Rohtak, the 25th January 1979

Ref. No. SPT/378-79.—Whereas, I, **RAVINDER KUMAR PATHANIA**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 29 Kanal 14 Marla situated at village Kundli, Teh. Sonapat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Bhagwana, Duli Chand,
Kanshi Ram ss/o Smt. Ram Devi
d/o Shri Har kishan
s/o Shri Khubi Jat
r/o vill. Kundli, Teh. Sonapat.

(Transferor)

(2) M/s Kinjfolk Industries (P) Ltd.
893, Bara Bazar, Tilak Gali,
Kashmiri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29 Kanal 14 Marla situated on Janti Road, Kundli, Teh. Sonapat, and as mentioned in the sale deed registered at serial No. 2611 in August, 1978 with the Sub-Registrar, Sonapat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 25-1-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th January 1979

Ref. No. SNP/4/78-79.—Whereas I, RAVINDAR KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 25 Kanal 13 Marla alongwith building including Tubewell, Pumping set etc. situated at village Kundli, Teh. Sonapat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonapat in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—56GI/79

(1) S/Shri Balraj Kishan, Shadi Lal, Asa, Rattan, Pyare Lal and Chaman Lal s/o Shri Uttam Chand, House No. 5/9-A, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Katam Chand Goel s/o Shri Pujan Chand Goel, Prop. M/s. Goel Spinning & Weaving Mills, Vill. Rasoi, P.O. Nathopur, Distt. Sonapat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 Kanal 13 Marla with sheds, Tubewell, Pumping set etc. as mentioned in the sale deed registered at serial No. 2878 of September 1978 with the Sub Registrar, Sonapat.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 25-1-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 13th February 1979

Ref. No. SRS/5/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 197/B-I situated at Nai Mandi, Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kashmiri Lal s/o
Shri Ram Lal
R/o Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Gueja s/o
Shri Jai Dayal
Resident of House No. 197/B-I,
Nai Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 197/B-I, Nai Mandi, Sirsa and as mentioned in the Sale deed registered at serial No. 3225 dated 17-8-1978 with the Sub-Registrar, Sirsa.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 13-2-1979

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th February 1979

Ref. No BGR/13/78-79.—Whereas I, RAVINDER
KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax, Acquisition Range, Rohtakbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingB. P. No 36, NH-2, NIT situated at Faridabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Ballabgarh in August, 1978for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property,
and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consid-
eration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of
1961) to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Om Parkash Gupta, Anand Parkash Gupta,
Rameshwar Parkash Gupta and Madan Ji Gupta
ss/o Shri Shugan Chand Gupta residents of 28A,
Kamla Nagar Delhi and partners of M/s Om
Parkash Gupta & Bros 146, Ghandhi Chowk, Delhi
(Transferor)

- (1) (1) Smt. Pushpa Gandhi w/o
Shri Pritam Lal Gandhi.
(2) Shri Naresh Kumar s/o
Shri Tek Chand
residents of H. No 2-M/67,
NIT Faridabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing B.P. No. 36 measuring 694 sq. yds.
situated at NH-2, NIT Faridabad and as mentioned in the
Sale deed registered at No 3272 of August, 1978 with the
Sub-Registrar, Ballabgarh

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-2-1979

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th February 1979

Ref No SNP/9/78-79—Whereas I, RAVINDAR KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

land measuring 40 Kanal situated at Village Rasoi, Teh Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Savitri Devi D/o
Shri Ran Singh Jat
R o Vill Rasoi Teh Sonepat
at present wife of Shri Om Parkash s/o
Shri Bhaat Singh, Resident of Pipli
Tehsil Sonepat
(Transferor)
- (2) Shri Satish Kumar Goel (Minor) through his father
and natural guardian Shri Karam Chand Goel,
Resident of Govindpur, Modinagar (U P)
(Transferee)
- (3) Shri Surjit Kumar Jain,
2195, Dharampura,
Chandni Chowk, Delhi
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 Kanal situated in village Rasoi, Teh Sonepat and as mentioned in the sale deed registered at No 3433 dated 27 10-1978 with the Sub-Registrar, Sonepat

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 13-2 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/18.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nine Sheds and 1/2 share in Deori
situated at Vadali Guru Urban

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 11-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hans Raj s/o Shri Shambhu Nath Kapur,
Resident of Islamabad, Amritsar.
(Transferee)
- (2) Shri Kartar Singh s/o S. Surain Singh,
Resident of Village Bohru Tehsil & Distt. Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of 6 sheds single, one shed double, two shops and 1/2 share in Deori as mentioned in 37-G form [9 sheds and 1/2 share in Deori (Corridor) found on site inspection] covering an area of 458.3 sq. mtrs. Min. Jumla No. Khastia 1052 situated at Vadali Guru Urban within Municipal Corporation, Amritsar, as mentioned in Registered Deed No. 3062 dated 11-8-78 of the Registered Officer, Amritsar.

M. K. DHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-4-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/19.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing 1/10th share and bearing situated at Chowk Passian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 29-9-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Lal s/o Shri Muni Lal
R/o Hall Bazar, c/o East India Press,
Amritsar.
(Transferor)
- (2) Smt. Kamlesh Ghulani w/o Shri Manohar Gulati
R/o 13/1, Rani Ka Bagh,
Amritsar,
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10th share of one building Masuma Laxmi Market No. 14/4-1, 257, 259, 255, 778/4, 970 and 972/11 Min. 973½ Min. 7/4-1, 896, 780/11-7 and No. 8/4 and No. 1255 Khana Sumari, situated at Bazar Guru, Chowk Passian Bazar Warian (area 38 Marba metr.) as mentioned in the Registered deed No. 2406/1 dated 29-9-78 of the Registering Officer, Amritsar.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-4-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/20.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land measuring 64 kanals situated at Mahmud Nagar Teh. Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 18-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nishan Singh s/o Shri Bagga Singh,
R/o Village Chcecha Tehsil, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Dharam Singh s/o Shri Ganda Singh,
R/o Village Hamidpura Tehsil Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 kanals Kiila No. 22/7, 8/2, 15, 23/9, 10, 11, 12, 13 Min 23/1/2 Min situated in Mahmud Nagar Tehsil Amritsar, as mentioned in the Registered deed No. 3098 dated 18-8-1978 of the Registering Officer, Amritsar.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-4-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 24th April 1979

(1) Shri Santokh Singh s/o S. Uttam Singh
Resident of Village Tara Garh Teh. & Distt.
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Sakkatar Singh, Nirmal Singh, Dalbir Singh,
Jagtar Singh and Joginder Singh
Ss/o Banta Singh s/o Jhanda Singh,
Village Hothian Tehsil Tarn Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)(4) Any other person(s) interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/IT/79-80/21.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land measuring 85K 10 M situated at Village Behari Pur Teh. Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran on 18-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 85 kanals 10 marlas situated in village Behari Pur Tehsil Tarn Taran (ASR) bearing Khata Khatauni No. 58/142-57/140 as mentioned in the registered deed No. 3905 dated 18-8-78 of the Registering Officer, Tarn Taran.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-4-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. GSP/ASR/79-80/22.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur on 10-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Naunder Nath s/o Kirpa Nath,
R/o Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Smt. Usha Kumari w/o Shri Janak Raj and
Janak Raj s/o Patch Chand
R/o Gurdaspur.

- (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person(s) interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 46 x 47' (240 sq. yds.) bearing Khastia No 982 situated at Gurdaspur as mentioned in the registered deed 3689 dated 10-8-78 of the Registering Officer, Gurdaspur.

M. K. DHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 24-4-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI 110001

New Delhi, the 12th April 1979

No I A C Acq I/S R III/August-81/1978 79—Whereas I, Miss Anjani Oza, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 5 situated at Friends Colony (West), Mathura Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28.8.1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society, through Shri A P Jain Official Liquidator, Registrar of Co-operative Societies New Delhi

(Transferor)

(2) Shri S I Nayyar & Shrimati Vidya Vati Nayyar Resident of 174 Sector 11 A Chandigarh, (Punjab),

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An immovable property No 5 measuring 3865.6 Sq. ft situated in Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society, Mathura Road, New Delhi, bounded as under

North : Plot No 6,
West : Railway line
South : Plot No 4
East : Main Road

MISS ANJANI OZA

Competent Authority,

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 12-4-1979

Seal.